आज का विचार

समय न अमीर का होता है न गरीब का। समय हमेशा उसी का होता है जो उसकी कद्र करना सीख जाता है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । वीरवार, 5 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 30, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

भारत सिर्फ भूगोल नहीं, सेवा और कल्याण उसका स्वभाव है : मोहन भागवत

एजेंसी (हि.स.)
कसरावद (निमाड़)

भारत सिर्फ एक भौगोलिक इकाई नहीं, यहां सेवा, कर्म और सर्वजन कल्याण उसका स्वभाव है। कुछ भी यहां उपकार नहीं बल्कि सेवा ही परंपरा है। जीवन में जहां भी सेवा का अवसर मिले, उसे करना चाहिए क्योंकि सेवा से आत्मशुद्धि होती है। सभी परमेश्वर के स्वरूप हैं, अतः उपकार नहीं, सेवा करना हमारा धर्म है। हमारे यहां चैरिटी नहीं, अपितु सेवा है। जीवन में सेवा के जो भी अवसर मिलें, सेवा करना चाहिए। जिसके पास जो भी सामर्थ्य हो, वही उसे समाज को अर्पित करना चाहिए। जिसके पास जो हो, वो देना चाहिए। सेवा से हमारी शुद्धि होती है।

उक्त विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कसरावद में व्यक्त किए। ये विचार-प्रेरक कार्यक्रम निमाड़ अभ्युदय रूरल मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन एवं श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर डॉ. मोहन भागवत ने ह्यमनुष्य निर्माण से राष्ट्र निर्माणह्व विषय पर उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में ह्यगोष्ट-नर्मदालयाचीह्व ऑडियोबुक का विमोचन भी किया गया।

सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि मनुष्य सुनकर या बोलकर नहीं, देखकर सीखता है। भारत की यात्रा में यह सत्य स्पष्ट हुआ है कि सुख बाहर नहीं बल्कि मनुष्य के भीतर ही निहित है। भारत में मनुष्य के अंदर की खोज की परंपरा रही है और यही आंतरिक यात्रा शाश्वत सुख का मार्ग है। हमारे पूर्वजों ने अनुभव के आधार पर बताया कि माया का आधार अध्यात्म होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ईश्वर ने मनुष्य को संवेदना प्रदान की है, जो दूसरों के सुख-दुःख को समझती है। किसी की उपेक्षा करके सुख भोगना मनुष्य की संवेदना के विपरीत है। जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए शिक्षा और शुचिता अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल स्वयं का दुःख दूर करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के दुःख को भी दूर करना है, यही भारत का स्वभाव है। यही धर्म भारत ने विश्व को दिया है और हम पाते हैं कि परतंत्रता के काल में भी यह स्वभाव भारत का नहीं बदला।

भारतीय संदर्भ में शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जन्मों का संचित ज्ञान मनुष्य के मस्तिष्क में निहित रहता है, आवश्यकता उसे बाहर लाने की है। टंट्या मामा और गाडगे महाराज जैसे महापुरुषों ने औपचारिक शिक्षा नहीं ली, फिर भी आज उनका सम्मान होता है। हमारे भीतर दैवीय गुण हैं, जिन्हें जागृत करना आवश्यक है।

सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि वास्तविक शिक्षा वही है जो मनुष्य को विश्व मानवता का बोध कराए, आत्मनिर्भर बनाए और श्रम की प्रतिष्ठा सिखाए। भारत में व्यक्ति से अधिक कर्म की महत्ता है और परिणाम से अधिक प्रामाणिक व उत्कृष्ट कार्य को महत्व दिया जाता है। भारत का अर्थ केवल भूगोल नहीं, बल्कि एक विशिष्ट स्वभाव है। भारत की उन्नति का तात्पर्य जल, जंगल, नदी, पर्वत, पशु और मनुष्य सभी की उन्नति से है।

उल्लेखनीय है कि श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन विगत 15 वर्षों से शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। संस्थान में 17 से 20 जनवरी तक प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न हुआ, जिसके पश्चात सरसंघचालक का लेपा में प्रवास हुआ। यह संस्थान विशेष रूप से वनवासी क्षेत्रों के कुपोषित बच्चों के शिक्षा और कौशल विकास के लिए समर्पित है।

संस्थान द्वारा वनवासी बच्चों के लिए कक्षा दसवीं तक की शिक्षा तथा बेसिक रूरल टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। निमाड़ अभ्युदय के विद्यालयों में लगभग 800 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। नर्मदा परिक्रमा के दौरान वनवासी बच्चों की शिक्षा का संकल्प लेकर सुश्री भारती ठाकुर दीदी ने इस संस्थान की स्थापना की। रक्षा मंत्रालय की सेवा छोड़कर उन्होंने यह सामाजिक प्रकल्प प्रारंभ किया। नागा साधुओं के पुनर्वास हेतु मिले आश्रम दान से यह प्रकल्प विकसित हुआ, जहां वर्तमान में गौशाला सहित विभिन्न गतिविधियां संचालित हो रही हैं।

बजट में विकसित भारत के स्तंभ गरीब, युवा, महिला और किसान को केंद्र में रखा गया: नायब सैनी

केंद्रीय बजट से हरियाणा को मिलने वाले लाभ के पहलुओं को मुख्यमंत्री ने रखा सामने

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही 3.0 केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पेश किया गया दूसरा बजट केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह उस भारत की तस्वीर पेश करता है जो आत्मनिर्भर है, प्रतिस्पर्धी है और सामाजिक रूप से संवेदनशील भी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट ह्यविकास भी, विश्वास भीह्व के सिद्धांत पर आधारित है और हरियाणा जैसे अग्रणी राज्य के लिए इसमें अपार अवसर निहित हैं।

मुख्यमंत्री बुधवार को हरियाणा निवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान केंद्रीय बजट 2026झ्र27 की भावना, दिशा और उसके महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपनी बात रखते हुए केंद्र सरकार के बजट का हरियाणा पर पड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रभावों को भी बताया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह बजट उस भारत की सोच को दशार्ता है, जहां विकास का मतलब केवल बड़े शहर नहीं, बल्कि गांव, किसान, महिला, युवा और श्रमिक भी हैं। जहां, अर्थव्यवस्था मजबूत हो, लेकिन समाज का अंतिम व्यक्ति भी सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे।

उन्होंने कहा कि इस बजट में विकसित भारत के स्तंभ गरीब, युवा, महिला और किसान को केंद्र में रखा गया है। और यही प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में हमारी विकास नीति का भी मूल मंत्र है। इस बजट का मूल उद्देश्य है, संदेह के स्थान पर एक्शन, दिखावे के स्थान पर सुधार और लोक-लुभावन घोषणाओं के स्थान पर जनहित को प्राथमिकता। सरकार ने इस बजट में लगभग 7 प्रतिशत की उच्च आर्थिक विकास दर को लक्ष्य बनाते हुए राजकोषीय अनुशासन और सामाजिक न्याय, दोनों के बीच संतुलन साधा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेश किए गए बजट में देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को लगभग 12 लाख 20 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया है। यह निवेश सड़कों, रेल, शहरी अवसंरचना, औद्योगिक कॉरिडोर और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करेगा। इसका सीधा लाभ हरियाणा को मिलेगा, क्योंकि हमारा राज्य दिल्ली-एनसीआर, औद्योगिक गलियारों और राष्ट्रीय राजमार्गों का केंद्र है। इस निवेश से न केवल विकास कार्य तेज होंगे, बल्कि लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के लिए यह बजट विशेष रूप से लाभकारी है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए लगभग 1 लाख 62 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। पशुपालन और डेयरी के लिए 6 हजार 153 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन, मत्स्य पालन के लिए 2 हजार 500 करोड़ रुपये और पीएम-किसान योजना के तहत 63 हजार 500 करोड़ रुपये की निरंतर सहायता किसानों के लिए बड़ी राहत है।

भारत विस्तार योजना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे किसान डिजिटल और ए.आई. आधारित कृषि प्लेटफॉर्म से सीधे जुड़ सकेंगे। उन्हें मौसम, मिट्टी और बाजार की सटीक जानकारी मिलेगी। इससे वे बेहतर निर्णय कर सकेंगे। इसका सीधा असर यह होगा कि उनकी कृषि लागत घटेगी और आय बढ़ेगी। बजट का असर हरियाणा के खेत-खलिहानों में साफ दिखाई देगा।

युवाओं के लिए विशेष योजना बनाई गई है

उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं के लिए क्या है ? इस पर बड़ी चर्चा हो रही है। केंद्र सरकार हमारे युवाओं को देश की सबसे बड़ी पूंजी मानती है। युवा कौशल विकास व शिक्षा क्षेत्र के लिए 1 लाख 39 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। देश के 1 लाख 50 हजार से अधिक युवाओं को नई उम्र की स्किल्स का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इसलिए, केंद्रीय बजट में कौशल विकास, रोजगार और भविष्य की तकनीकों के लिए 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, बायोटेक और साइबर सिक्योरिटी जैसी तकनीकों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का विशेष फंड रखा गया है। इसका सीधा लाभ गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला और रोहतक जैसे शैक्षणिक व तकनीकी केंद्रों को मिलेगा, जहां हमारे युवा विश्व-स्तरीय अति-आधुनिक कौशल सीखकर उच्च-आय रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप और उद्यमिता के लिए भी 7,500 करोड़ रुपये के प्रावधान से हरियाणा का स्टार्टअप इकोसिस्टम और मजबूत होगा। इससे प्रदेश में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और हमारा युवा रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनेगा।

राहुल ने संसद परिसर में नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक दिखलाते हुए सत्ता पक्ष पर निशाना साधा

न्एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को संसद के बाहर पूर्व सेना अध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक दिखलाते हुए सत्ता पक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कथित तौर पर चीन के साथ साल 2020 में सैन्य तनातनी के दौरान हुए घटनाक्रम को लेकर पुस्तक में दिए विवरण को आधार बनाया और सरकार पर मुश्किल समय में सेना का साथ छोड़ने का आरोप लगाया।

राहुल गांधी संसद के मकर द्वार के बाहर नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक की प्रति दिखलते हुए कहा कि भारत के हर युवा को यह किताब देखनी चाहिए। इसमें उन्होंने लद्दाख का पूरा ब्योरा दिया है। लोकसभा में उन्हें इसी किताब में कही बातों को रखने नहीं दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को कल पत्र लिखकर संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दा उठाने के विपक्ष के नेता के अधिकार से वंचित किए जाने के संबंध में अपनी नाराजगी व्यक्त की थी।

इसी बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल का समर्थन करते हुए कहा कि भाषण देते समय वे अक्सर पुस्तकों से उद्धरण देते हैं। राहुल गांधी एक प्रकाशित स्रोत से उद्धृत कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने भी संजय बारू को उद्धृत किया है।

वहीं, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं। अगर उनमें हिम्मत है तो उन्हें कहना चाहिए कि हमारे खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज किया जाए।

लोकसभा में बोलने की अनुमति न दिए जाने के आरोप में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पत्र पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनको जवाब दिया गया है। वे नियमों के बाहर बोल रहे हैं। हमने दो दिन इंतजार किया लेकिन दूसरों को भी बोलने की अनुमति मिलनी चाहिए। वे मनमाने ढंग से नहीं बोल सकते। यह भारत की संसद है।

इसी बीच कल अमर्यादित आचरण के कारण निलंबित सांसदों ने आज संसद के मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान संसद परिसर में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तीखी नोकझोंक भी हो गई।

हंगामे के बीच गोयल ने लोकसभा में भारत-अमेरिका व्यापार डील पर दिया बयान

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयलो बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच भारत-अमेरिका के बीच व्यापार डील पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह समझौता देश और निर्यातकों के हित में है और इसमें कृषि-खाद्य क्षेत्रों की संवेदनशीलता का ध्यान रखा गया है। हंगामा जारी रहने पर लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के भारी शोर-शराबे के कारण दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी।

गोयल के बयान के दौरान लोकसभा में विपक्ष का हंगामा जारी रहा, लेकिन वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ जिस द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे रहा है, वह संवेदनशील कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों की पूरी तरह से रक्षा करता है। उन्होंने सदन को बताया कि भारत सरकार ने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए बातचीत पूरी की है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते से भारतीय किसानों को कोई नुकसान नहीं होगा।

गोयल ने लोकसभा में कहा कि दोनों देश जल्द ही समझौते का विवरण देते हुए एक संयुक्त बयान जारी करेंगे। सरकार का पक्ष रखते हुए उन्होंने कहा कि इस डील में उर्वरक और कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भारत के हितों की पूरी तरह रक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि यह समझौता छोटे और मध्यम कारोबारियों, एमएसएमई, औद्योगिक इकाइयों, कुशल श्रमिकों और उद्योगों के लिए नए अवसर खोलेगा एवं उन्नत तकनीकों तक पहुंच को आसान बनाएगा। इससे 'मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड', 'डिजाइन इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड' और 'इनोवेट इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड' के लक्ष्यों को गति मिलेगी।

केंद्रीय वाणिज्य एंव उद्योग मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों के हितों को देखते हुए स्वाभाविक है कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी अर्थव्यवस्थाओं के महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करते हुए सर्वोत्तम परिणाम सुनिश्चित करना चाहेंगे। भारतीय पक्ष अपने संवेदनशील क्षेत्रों विशेषकर कृषि और दुग्ध क्षेत्रों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है।

भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार का लगाया आरोप

एजेंसी (हि.स.)
महबूबनगर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन ननीन ने कांग्रेस पर मुस्लिम वोट बैंक की तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। वे बुधवार को महबूबनगर के एमवीएस डिग्री कॉलेज मैदान में पार्टी की ओर से आयोजित विजय संकल्प सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में नितिन नवीन ने कहा कि तेलंगाना की राजनीति ने गंभीर मोड़ ले लिया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पूरी तरह से तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार तेलुगु लोगों की संस्कृति और परंपराओं का अपमान, सनातन धर्म पर हमला और केवल एक समुदाय को खुश करने की कोशिश कर रही है। भाजपा अध्यक्ष ने आह्वान किया कि अब समय आ गया है कि तेलंगाना के लोग इस नाइंसाफी का करारा जवाब दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चुप है, जबकि कई जगहों पर हिंदू मंदिरों पर खुलेआम हमले, मंदिरों की जमीन पर कब्जा और हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सनातन धर्म पर हमला हुआ तो भाजपा कार्यकर्ता चुप नहीं रहेंगे और इसकी रक्षा के लिए कोई भी कुबार्नी देने को तैयार हैं।

नितिन नवीन ने कहा कि तेलंगाना के भविष्य, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए जनता को भाजपा को मजबूत समर्थन देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। छोटे ठेकेदारों को विकास कार्यों और बिलों की मंजूरी के लिए आरआर (रेवंत रेड्डी) टैक्स देना पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी समुदायों के साथ न्याय करने के लिए भाजपा को जिताना आवश्यक है।

सदन में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का अभिभाषण परंपरा और प्रगति का संगम : जेपी नड्डा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर बुधवार को चर्चा जारी रखते हुए सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए हमेशा तैयार है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का ज़िक्र कर उन्होंने कहा कि सरकार इसपर भी चर्चा के लिए तैयार है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अस्वस्थ होने के बावजूद मुंबई से दिल्ली आए, ताकि लोकसभा में इस मुद्दे पर बयान दे सकें लेकिन सदन की कार्यवाही नहीं चल पाने के कारण उनका भाषण नहीं हो सका। उन्होंने दावा किया कि भारतझ्रअमेरिका व्यापार समझौता संतुलित है और देशहित में है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का नजरिया संकीर्ण है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत की परंपराओं के साथ-साथ विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ने का स्पष्ट रोडमैप पेश करता है। बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण में भारत की अद्भुत विकास यात्रा का शक्तिशाली प्रतिबिंब हमें देखने को मिला है। हमारी सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत के साथ ही वर्ष-2047 के विकसित भारत का समावेश राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में किया है। उन्होंने कहा कि देश ने लंबा सफर तय किया है और प्रगति को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि हम पहले किस स्थिति में थे। जेपी नड्डा ने कहा कि भारत कभी ह्लफ्रैजाइल फाइवह्व देशों में गिना जाता था, लेकिन आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश नीतिगत जड़ता (पॉलिसी पैरालिसिस) से निकलकर अब रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के रास्ते पर आगे बढ़ चुका है। पहले जहां देश घोटालों के लिए जाना जाता था, वहीं अब पारदर्शिता की

क्रांति देखने को मिल रही है। जेपी नड्डा ने कहा कि भारत पहले आयात पर निर्भर था लेकिन अब आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जेपी नड्डा ने कहा कि जीएसटी के बारे में भारी विरोध होने के बावजूद ये लागू हुआ, जिससे देश में सकारात्मक परिवर्तन आये है। वर्ष-2025 में आये जीएसटी 2.0 से भारत के आर्थिक विकास में तेजी आई है। पिछला सप्ताह भारत की आर्थिक क्रांति के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण रहा। आर्थिक सर्वेक्षण में भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था रहा है। वहीं भारतीय-ईयू व्यापार समझौते के बाद भारत और अमरिका व्यापार समझौता देश के आर्थिक विकास में ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक गरीबी हटाने की बात की लेकिन भ्रष्टाचार किया। गरीबों के नाम पर वोटबैंक लिया लेकिन गरीबों को बैंक तक नहीं जाने दिया।

गरीबों को शौचालय, पक्का आवास, पीएम-जनधन, उज्ज्वला योजना जैसी नीतियों से उन्हें कई अधिकार मोदी सरकार ने दिये हैं। मोदी सरकार में 25 करोड़ लोग आज गरीबी रेखा से बाहर निकलकर सम्मानपूर्वक अपना जीवन जी रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'आयुष्मान भारत' योजना के अंतर्गत 62 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये की इलाज की गारंटी दी गई है, ये योजना दुनिया का सबसे बड़ा हेल्थ कवरेज है। कांग्रेस की सरकारों ने इस तरफ कभी ध्यान नहीं दिया। विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए जेपी नड्डा ने कहा जब राष्ट्रपति जी अपना वक्तव्य दे रहीं थीं तो विपक्ष ने उनके अभिभाषण में व्यवधान करते हुए नारे लगाये थे।

राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार की दलीलें भले अच्छी लगें लेकिन जमीनी हकीकत इतनी खराब है कि उसे सही नहीं ठहराया जा सकता। खरगे ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में कई अहम मुद्दों पर चुप्पी रही। उन्होंने सदन के सामने सामाजिक न्याय, सामाजिक सद्भाव, संवैधानिक संस्थाओं पर हमले, अर्थव्यवस्था की स्थिति, किसानों और मजदूरों के संघर्ष तथा विदेश नीति की कमियों जैसे विषय उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं को सिर्फ भाजपा का वोट बैंक बनाकर देखा जा रहा है। खरगे ने सरकार से सवाल किया कि महिलाओं को आरक्षण अब तक पूरी तरह लागू क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह सरकार की कथनी और करनी के बीच के अंतर को दशार्ता है।

गुरु परंपरा को एक सतत विचारधारा के रूप में समझने की आवश्यकता : प्रो. अग्निहोत्री

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के पंजाबी एवं डोगरी विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के तत्वावधान एवं सौजन्य से श्री गुरु तेग बहादुर जी : जीवन, वाणी और शहादत विषय पर आयोजित दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का बुधवार को समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि गुरु परंपरा को अलग-अलग खंडों में नहीं, बल्कि एक सतत विचारधारा के रूप में समझने की आवश्यकता है। श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान और उनके सुपुत्र श्री गुरु गोबिंद सिंह द्वारा धर्म की रक्षा हेतु दिए गए आत्मबलिदान को मानव इतिहास की अमूल्य धरोहर बताया गया। उन्होंने कहा कि धर्म का अर्थ केवल संप्रदाय नहीं, बल्कि कर्तव्य है— चाहे वह माता-पिता का अपने बच्चों के प्रति हो, डॉक्टर का मरीज के प्रति हो या राजा का प्रजा के प्रति। ह्यजो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है ह्व राजधर्म का आशय सभी नागरिकों को अपने-अपने कर्तव्यों के पालन हेतु प्रेरित करना है, न कि किसी एक पूजा पद्धति को थोपना। वक्ता ने ऐतिहासिक उदाहरणों के माध्यम से बताया कि जब समाज संगठित होकर अपने कर्तव्य निभाता है, तभी राष्ट्र और संस्कृति सुरक्षित रहती है।

संगोष्ठी के तृतीय सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो. जगबीर सिंह ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन-दर्शन, उनके नैतिक मूल्यों और मानवता के प्रति उनके दृष्टिकोण का विस्तृत विवेचन किया।

उन्होंने कहा कि इतिहास को भूलना अपनी जड़ों से कटने जैसा है। हमारी जड़ें ही हमें भविष्य की दिशा दिखाती हैं। गुरु तेग बहादुर जी को समझने के लिए हमें उनसे पहले के ऐतिहासिक संदर्भों और विशेष रूप से गुरु नानक देव जी के युग को समझना अनिवार्य है।

कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि गुरु परंपरा आज भी समाज को कर्तव्य, साहस और आत्मसंयम का मार्ग दिखाती है तथा वर्तमान चुनौतियों का समाधान इन्हीं मूल्यों में निहित है।

संगोष्ठी में देश-विदेश से आए विद्वानों, शोधार्थियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

इस संगोष्ठी में ऑनलाइन माध्यम से अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से विभिन्न विद्वानों ने हिस्सा लिया। ऑनलाइन सत्र के पहले चरण में 12 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों की प्रस्तुति दी।

ऑनलाइन माध्यम के आखिरी एवं तीसरे सत्र में लगभग 17 शोध पत्रों की प्रस्तुति दी गई।

यूपीए की तुलना में मोदी सरकार ने हिमाचल को दिया 27 गुना अधिक रेल बजट: अनुराग ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के लिए रेलवे बजट में अभूतपूर्व वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में हिमाचल प्रदेश को रेलवे विस्तार, आधुनिकीकरण, सुरक्षा परियोजनाओं और विद्युतीकरण के लिए 2,911 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है, जो यूपीए सरकार के समय दिए गए बजट से 27 गुना अधिक है।

अनुराग सिंह ठाकुर ने बुधवार को एक बयान में कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का धन्यवाद करते हुए कहा कि मोदी सरकार देवभूमि हिमाचल प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हिमाचल के लिए रेल नेटवर्क को प्राथमिकता दी है, जिससे राज्य के दुर्गम क्षेत्रों को भी बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में करीब 17,711 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं विभिन्न चरणों में चल रही हैं, जिससे राज्य का रेल नेटवर्क और अधिक मजबूत होगा। इसके साथ ही बजट में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हिमाचल प्रदेश के चार रेलवे स्टेशनों को 46 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक स्वरूप में विकसित करने का प्रावधान किया गया है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और आधुनिक यात्री अनुभव प्राप्त होगा।

अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया कि वर्ष 2014 से अब तक हिमाचल प्रदेश में लगभग 16 किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण किया गया है। इसके अलावा रेल यातायात को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए राज्य में 26 फ्लाईओवर और अंडरपास भी विकसित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्य राज्य में सड़क और रेल यातायात के समन्वय को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि मोदी सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश में रेलवे के शत-प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया है, जिससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा बल्कि संचालन लागत में भी कमी आएगी।

अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश के यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और बेहतर यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है और आने वाले समय में राज्य में रेलवे विकास की गति और तेज होगी।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता क्विज का कॉलेज राउंड आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू (सीयूजे) में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता क्विज (एनएफएलक्यू)ह्य2026 के कॉलेज राउंड का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। इस प्रतियोगिता में व्यावसायिक डिग्री कार्यक्रमों के साथ-साथ प्रबंधन, अर्थशास्त्र और इंजीनियरिंग संकायों के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव जैन के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज के डीन प्रो. ए.के. नंदा ने किया। उद्घाटन अवसर पर स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज के मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. जया भसीन तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश झा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के संकाय सदस्य भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर प्रो. जया भसीन ने एनएफएलक्यू पहल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एनआईएसएम) द्वारा आयोजित की जा रही एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना है। प्रो. राकेश झा ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां छात्रों को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। इससे पहले प्रो. ए.के. नंदा ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि यह क्विज छात्रों को बजट, निवेश, बचत और आर्थिक सिद्धांतों जैसे महत्वपूर्ण विषयों की समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

कार्यक्रम का समन्वय प्रो. यशवंत सिंह, कुलसचिव, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के मार्गदर्शन में प्रो. जया भसीन और डॉ. शाहिद मुश्ताक द्वारा किया गया।

मंडी-कुल्लू सीमा पर दुर्लभ मादा बारहसिंगा ने शिकारियों के खौफ से नदी में लगरई छलांग, उपचार के दौरान तोड़ा दम

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला की सीमा से सटे बालीचौकी और बंजार क्षेत्र के मध्य स्थित तीर्थन घाटी में एक दुर्लभ मादा बारहसिंगा के अवैध शिकार की कोशिश और उसके बाद हुई मौत ने वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय प्रशासन को झकझोर कर रख दिया है। घटना मंगलवार देर शाम की है जब बालीचौकी के चलोगी क्षेत्र में ग्रामीणों ने इस बेजुबान जीव को बदहवास हालत में इधर-उधर भागते देखा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मादा बारहसिंगा शिकारियों के डर से इस कदर भयभीत थी कि उसने अपनी जान बचाने के अंतिम प्रयास में उफनती तीर्थन नदी में छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों की सजगता के चलते तुरंत वन विभाग बंजार और पशुपालन विभाग को सूचित किया गया। मानवता का परिचय देते हुए मंगलौर पंचायत में तैनात पशुपालन कर्मचारी भूपेंद्र शर्मा ने अपनी जान की परवाह न करते हुए बर्फीले पानी वाली नदी में छलांग लगाई और ग्रामीणों की मदद से और वन कर्मियों के सहयोग से घायल जीव को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि, रेस्क्यू के बाद जब उसे उपचार के लिए ले जाया गया, तो उसकी हालत नाजुक बनी रही और मंगलवार देर रात उसने दम तोड़ दिया।

इस घटना की गंभीरता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह मादा बारहसिंगा पिछले करीब दो महीनों से थाची क्षेत्र के आसपास देखी जा रही थी और उसने लगभग दस किलोमीटर का सफर तय कर इस क्षेत्र में अपना ठिकाना बनाया था। दुखद पहलू यह भी है कि इस मादा के साथ उसके नन्हे शावक (हिरन) भी मौजूद थे, जिनका अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है, जिससे वन्यजीव विभाग की चिंता और अधिक बढ़ गई है कि क्या वे सुरक्षित हैं या वे भी शिकारियों का ग्रास बन गए।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और स्थानीय स्तर पर मिल रही अपुष्ट जानकारियों के अनुसार बारहसिंगा के शरीर पर चोट लगने के निशान होने की बात कही जा रही है, जो सीधे तौर पर अवैध शिकार की ओर इशारा करते हैं।

वन मंडल बंजार के डीएफओ मनोज कुमार ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीव के शरीर पर चोटों के गहरे निशान पाए गए हैं और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि मौत का असली कारण क्या था। इस दुर्लभ प्रजाति के वन्यजीव की मौत ने कुल्लू और मंडी जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय शिकारियों के नेटवर्क और वन विभाग की गश्त प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

संक्षिप्त-समाचार

भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तान ने लिया मां चिंतपूर्णी का आशीर्वाद

ऊना। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बुधवार को देश के प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां चिंतपूर्णी के पावन दरबार में पहुंचकर माथा टेका और मां का आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर के पुजारी राजेश कालिया ने उन्हें विधिवत पूजा-अर्चना करवाई। पूजा के बाद हरमनप्रीत कौर ने मां चिंतपूर्णी से देश, टीम और स्वयं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मीडिया से बातचीत करते हुए हरमनप्रीत कौर ने कहा कि महिला क्रिकेट टीम द्वारा विश्व कप जीतना उनकी जिंदगी का सबसे यादगार और गर्व का क्षण रहेगा। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से न केवल महिला क्रिकेट को पहचान मिली, बल्कि पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। कोई काम मुश्किल नहीं होता, बस उसके लिए सच्ची मेहनत और समर्पण की जरूरत होती है। हरमनप्रीत कौर के मंदिर पहुंचने की सूचना मिलते ही वहां मौजूद श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर कई श्रद्धालुओं ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं और उन्हें शुभकामनाएं दीं। श्रद्धालुओं ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान को अपने बीच पाकर गर्व महसूस किया।

गाली-गलौज और मारपीट के दो मामले, एफआईआर

शिमला। शिमला जिले के कोटखाई थाना क्षेत्र में गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस सम्बंध में शिकायत जोले गांव निवासी रजीन पुत्र ओम दत्त ने दर्ज करवाई है। शिकायत में कहा गया है कि 2 फरवरी को मनु नाम के युवक ने उनके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि आरोपी ने कहा कि अगर दोबारा दिखे तो जान से मार देगा। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उनकी पत्नी के लिए भी बेहद अभद्र और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया, जिससे पूरे परिवार को मानसिक रूप से गहरा आघात पहुंचा है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 79, 351 (2), 352 में मामला दर्ज कर लिया है और कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इस बीच, कोटखाई थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाघी पुलिस चौकी इलाके में मारपीट और जान से मारने की धमकी का एक और मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता दिक्षित पुर्ता पुत्र बृज लाल पुर्ता, निवासी ठारोला, जिला शिमला ने बताया कि 2 फरवरी की शाम करीब 7 से 8 बजे के बीच छोल नामक स्थान पर निखिल लेप्टा और उसके 8 से 10 साथियों ने उसके साथ मारपीट की। इस हमले में उसे चोटें आईं और आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 191(2), 190, 115(2), 351(2) के तहत केस दर्ज किया है।

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में जैश का एक और आतंकी ढेर

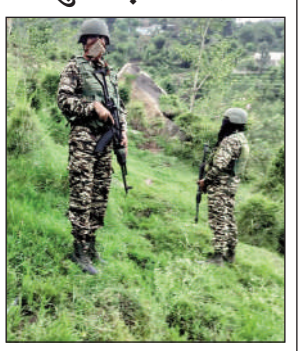

किश्तवाड़। किश्तवाड़ जिले के दिच्छर इलाके में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के एक और आतंकवादी को मार गिराया है। आज ही सुरक्षा बलों ने उधमपुर जिले में एक मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया था। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने किश्तवाड़ इलाके में घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद भागे आतंकियों से फिर संपर्क हो गया है। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने अपने 'एक्स' हैंडल पर कहा कि किश्तवाड़ क्षेत्र में आतंकवादियों की तलाश में निरंतर जारी अभियान के दौरान घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में कई मुठभेड़ें हो चुकी हैं। चल रहे संयुक्त अभियान में सीआईएफ डेल्टा, व्हाइट नाइट कोर, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने आज शाम लगभग 5.45 बजे किश्तवाड़ के दिच्छर इलाके में भाग रहे आतंकवादियों से फिर से संपर्क स्थापित किया। सेना ने आगे कहा कि ऑपरेशन त्राशी-एक में एक आतंकवादी मारा गया।

समर्पण दिवस से पहले अशोक कौल ने पार्टी कार्यक्रमों की समीक्षा की

जम्मू। भाजपा जम्मू-कश्मीर के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में एक व्यापक संगठनात्मक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न पार्टी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और पहुंच का आकलन किया गया। उनके साथ भाजपा जम्मू-कश्मीर के महासचिव संजीता डोगरा, बलदेव सिंह बिल्लावरिया और गोपाल महाजन भी मौजूद थे। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया और विभिन्न स्तरों पर की जा रही संगठनात्मक गतिविधियों और जन संपर्क पहलों पर विस्तृत प्रतिक्रिया दी।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों को सीएसआर साझेदारी से किया जा रहा मजबूत : केंद्र सरकार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

जनजातीय कार्य मंत्रालय देशभर के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) को बेहतर बनाने के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर साझेदारी का लगातार विस्तार कर रहा है। यह जानकारी जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुगार्दास उइके ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश से सांसद डॉक्टर सिकंदर कुमार के सवाल के जवाब में राज्यसभा में दी।

उन्होंने बताया कि मंत्रालय राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से जनजातीय लोगों और क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सीएसआर आधारित योजनाओं को आगे बढ़ा रहा है। इससे पहले सांसद एवं प्रदेश महामंत्री डॉ. सिकंदर कुमार ने हाल ही में 11 राज्यों के 144 एकलव्य विद्यालयों को शामिल करने वाले ओएनजीसी के समझौता ज्ञापन का हवाला देते हुए शेष 499 कार्यशील ईएमआरएस को वर्ष 2026 के अंत तक इसी तरह के सीएसआर-वित्तपोषित अवसंरचना मॉडल में शामिल करने की कार्ययोजना के बारे में सवाल किया। उन्होंने यह भी पूछा कि इन पहलों से जनजातीय छात्रों की उच्च शिक्षा और रोजगार में भागीदारी कैसे बढ़ेगी।

इसके जवाब में दुगार्दास उइके ने बताया कि एनएसटीएफडीसी ने पहले ही कोल इंडिया लिमिटेड, नॉर्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड, तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड जैसी कंपनियों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन समझौतों के तहत ईएमआरएस में अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं की स्थापना, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने, तथा छात्रों और शिक्षकों दोनों के क्षमता निर्माण जैसी पहलें की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि एनएसटीएफडीसी और राष्ट्रीय एकलव्य विद्यालय शिक्षा समिति के माध्यम से लागू की जा रही ये सीएसआर समर्थित योजनाएं पूरी तरह परिणाम उन्मुख हैं और इन्हें उच्च शिक्षा व रोजगार के लक्ष्यों के साथ जोड़ा गया है। इन उपायों का मकसद ईएमआरएस में शैक्षणिक आधार को मजबूत करना, डिजिटल क्षमताओं का विकास करना और छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करना है, ताकि वे आगे चलकर प्रमुख उच्चतर शिक्षा संस्थानों और व्यावसायिक क्षेत्रों में बेहतर अवसर हासिल कर सकें। केंद्रीय राज्य मंत्री ने यह भी बताया कि इन पहलों की निगरानी एनईएसटीएस द्वारा की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीएसआर उपाय वास्तव में जनजातीय छात्रों के लिए उच्च नियोजन दर और स्थायी रोजगार के अवसरों में बदल सकें। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल मंत्रालय में अलग से सीएसआर-ईएमआरएस प्रकोष्ठ स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है, क्योंकि मंत्रालय की सीएसआर-वित्तपोषित परियोजनाओं के लिए एनएसटीएफडीसी पहले से ही कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में काम कर रहा है।

अभिनव थियेटर में बहुप्रतीक्षित हमारे हैं कौन नाटक का होगा मंचन

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण आने वाला है, जब पद्मश्री सम्मानित रंगकर्मी बलवंत ठाकुर द्वारा लिखित व निर्देशित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चयनित नाट्य प्रस्तुति आप हमारे हैं कौन का मंचन अभिनव थियेटर, जम्मू में 6, 7 और 9 फरवरी 2026 को सायं 5 बजे किया जाएगा। ये विशेष प्रस्तुतियाँ दिल्ली में आयोजित होने वाले विश्व के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव में प्रस्तुति से पूर्व जम्मू के दर्शकों के लिए समर्पित की गई हैं। इस नाटक का अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव के लिए चयन जम्मू के थिएटर आंदोलन के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है जिससे स्थानीय युवा कलाकारों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला है। दर्शकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इन सभी प्रस्तुतियों का प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है।

पद्मश्री बलवंत ठाकुर ने इस अवसर को जम्मू के लिए एक सांस्कृतिक उत्सव बताते हुए आम जनता से अपील की कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर युवा कलाकारों का उत्साहवर्धन करें।

उन्होंने विशेष रूप से अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को यह नाटक दिखाने अवश्य लाएं क्योंकि जम्मू में बच्चों और युवा मन को केंद्र में रखकर तैयार किया गया गुणवत्तापूर्ण रंगमंच बहुत कम देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि रंगमंच केवल कलाकारों को ही नहीं, बल्कि दर्शकों को भी गहराई से प्रभावित करता है। मोबाइल फोन और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के दौर में यह नाटक बच्चों और युवाओं के लिए रचनात्मक, संवेदनशील और बौद्धिक विकास का एक सशक्त माध्यम प्रस्तुत करता है।

समारोह

बाबा बाल जी से लिया आशीर्वाद

मुकेश अग्निहोत्री और विक्रमादित्य ने उठाई ठाकुर जी की पालकी

एजेंसी (हि.स.)
ऊना

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार को ऊना ज़िले के कोटला कलां स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर समिति द्वारा आयोजित वार्षिक धार्मिक महासम्मेलन में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर माथा टेका तथा राष्ट्रीय संत बाबा बाल जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री ने श्रद्धा-भाव के साथ भगवान श्री राधा-कृष्ण की पावन पालकी उठाई और भव्य शोभायात्रा में सम्मिलित होकर परिक्रमा पूर्ण की। कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा भी इस अवसर पर साथ रहे।

शोभायात्रा के लिए सुसज्जित विशेष वाहन में उपमुख्यमंत्री, लोक निर्माण मंत्री तथा विधायक विवेक शर्मा राष्ट्रीय संत बाबा बाल जी महाराज के साथ विराजमान रहे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सभी श्रद्धालुओं को हमारी पहचान की आधारशिला हैं। इन परंपराओं का संरक्षण एवं संवर्धन राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि विकास और विरासत, दोनों को समान रूप से आगे बढ़ाया जाए। ऊना ज़िले की अपनी विशिष्ट ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान है। यहां स्थित सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र हैं, जिनके सुदृढ़ीकरण और सुविधा विस्तार के लिए सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है।उपमुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय संत बाबा बाल जी महाराज के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे महान संत समाज को सकारात्मक दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं और उनकी उपस्थिति से सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक चेतना को बल मिलता है।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ समाज में आपसी सद्भाव और सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि देवभूमि हिमाचल की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित रखना सरकार की निरंतर प्राथमिकता है।

उल्लेखनीय है कि श्री राधाकृष्ण मंदिर, कोटला कलां में प्रतिवर्ष 1 से 12 फरवरी तक दिव्य धार्मिक समागम का आयोजन किया जाता है।इस दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्री राधाकृष्ण जी के श्रीविग्रह स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में ऊना शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

लाडवा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, सामाजिक समरसता, सिंचाई, स्वास्थ्य, नगरीय सुविधाओं के क्षेत्र में सरकार ने किए अभूतपूर्व कार्य : नायब सिंह सैनी

सरकार का उद्देश्य विधानसभा क्षेत्र का विकास और यहां के हर नागरिक का उत्थान करना है

सिटी दर्पण संवाददाता
लाडवा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने लाडवा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, सामाजिक समरसता, सिंचाई, स्वास्थ्य, पशुपालन, खेल, पर्यावरण संरक्षण और नगरीय सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। यह मंच हमारे क्षेत्र के सतत विकास, जनकल्याण और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प का प्रतीक है। लाडवा विधानसभा क्षेत्र में बीते समय के दौरान जो विकास कार्य हुए हैं, वे यह सिद्ध करते हैं कि हमारी सरकार की नीति और नीयत दोनों जनहित के लिए समर्पित हैं। लाडवा हलके को विकास के मामले में अग्रणी बनाना है। हमारा उद्देश्य सिर्फ एक है, इस क्षेत्र का विकास और यहां के हर नागरिक का उत्थान हो।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को गांव खैरी में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे उन्होंने गांव खैरी में विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपए, पीने के पानी की पाइपलाइन के लिए 70 लाख रुपए और गांव की फिरनी निर्माण के कार्य को करवाने के लिए घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सरपंच द्वारा सौंपा गए मांग पत्र के संबंध में कहा कि गांव की अन्य मांगों को संबंधित विभाग के पास भेज कर पूरा करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गरीब महिलाओं को अपनी रसोई चलाने के लिए हर महीने केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। यह लाभ प्रदेश के लगभग 14 लाख 70 हजार परिवारों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किडनी के रोग से पीड़ित रोगियों के लिए सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में मुफ्त डायलिसिस की सेवाएं शुरू की हैं। पिछले एक साल में 36 हजार युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इन्हें मिलाकर पिछले 11 सालों में 1 लाख 80 हजार नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि लाडवा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों पर पिछले 11 वर्षों में 807 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जबकि कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में मात्र 310 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उमरी में उत्तर भारत के पहले राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की स्थापना 108 करोड़ रुपये की लागत से की गई। लाडवा में 26 करोड़ रुपये की लागत से मल शोधन संयंत्र स्थापित किया व सीवरेज लाइन बिछाई गई। इसी तरह गांव उमरी में संत शिरोमणि गुरु रविदास स्मारक के निर्माण का कार्य लगभग 124 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया जा रहा है। यह स्मारक सामाजिक समरसता, समानता और संत परंपरा के मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। उन्होंने कहा कि गांव उमरी में ही सरकारी पॉलिटैक्निक भवन का निर्माण 14 करोड़ 51 लाख रुपये की लागत से किया गया। लाडवा विधानसभा क्षेत्र के 65 गांवों में पीने के पानी की पाइप लाइन बिछाने का काम 11 करोड़ 51 लाख रुपये की लागत से किया गया।

इस मौके पर पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, एसडीएम अनुभव मेहता, मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, जिला अध्यक्ष तिजेंदर सिंह गोल्डी, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, सरपंच नीतू सैनी, प्रतिनिधि सुरेश सैनी, सतबीर मंगोली सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर गांव बारना में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 700 लोग हुए लाभान्वित

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को थानेसर विधानसभा क्षेत्र के गांव बारना में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा गांव बारना के कम्युनिटी हॉल में लगाए गए इस शिविर में आसपास के गांवों से आए 700 लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ उठाया। साथ ही शिविर में आए सभी लोगों को निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गईं।

यह शिविर सांसद नवीन जिन्दल द्वारा आरंभ किए गए कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र सशक्तिकरण अभियान के तहत आयोजित चौथा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर था। शिविर में विभिन्न प्रतिष्ठित अस्पतालों से आए सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की टीम ने लोगों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराईं। स्वास्थ्य शिविर में नेत्र रोग, दंत रोग, स्त्री रोग, स्तन कैंसर स्क्रीनिंग, सामान्य स्वास्थ्य जांच तथा मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से अनेक रोगों की जांच की गई। विशेष रूप से किशोरी एक्सप्रेस के माध्यम से 8 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों में एनीमिया और पोषक तत्वों की कमी की जांच की गई। चिकित्सकों ने किशोरियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए भविष्य में मातृत्व से जुड़ी जटिलताओं से बचाव के उपाय भी बताए। शिविर में स्वास्थ्य लाभ लेने आए लोगों से मिलने के लिए भाजपा के राम मेहर आचार्य भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने इस शिविर में अपने स्वास्थ्य की जांच भी कराई। इस अवसर पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन की टीम ने उन्हें तिरंगा भेंट किया तथा सांसद नवीन जिन्दल द्वारा संचालित राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान की जानकारी साझा की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल का विजन है कि स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखता है। उन्होंने कहा कि इन स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को न केवल निःशुल्क जांच और उपचार मिल रहा है, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सजग भी किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए लोगों से इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

गांव बारना में आयोजित स्वास्थ्य शिविर की जानकारी देते हुए सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का लक्ष्य एक स्वस्थ और जागरूक कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र का निर्माण करना है। इसी उद्देश्य से क्षेत्र में लगातार निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, मोबाइल मेडिकल यूनिट और विशेष जांच अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि कोई भी नागरिक इलाज के अभाव में परेशान न हो।

इस मौके पर अभिमन्यु पुर मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार, राकेश मेहला, नरेश आर्य, महेंद्र पाल सिंह, सुभाष बारना, सुंदर, देवी दयाल शर्मा, सुरेश शर्मा मनीष जांगरा कुलदीप, भूषण मंगला, शुभम ऐरी, राजेंद्र राजपूत, जीत राम, सलिंदर कुमार, थानेसर हल्का के प्रभारी बलविंद्र सिंह व अभिषेक गर्ग अंकित सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

केंद्रीय बजट गरीबों के विकास को समर्पित : कृष्ण कुमार बेदी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट गरीबों के विकास का बजट है। इस बजट में किसान, मजदूर, युवा, गरीब तथा महिला कल्याण पर विशेष फोकस किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट में अर्थव्यवस्था की मजबूती, रोजगार सृजन और समाज के गरीब वर्गों के जीवन में आर्थिक समृद्धि को मुख्य प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने कहा कि व्यापारियों के कारोबार और व्यापार मानकों का सर्वांगीण विकास किया गया है, जिससे देश में उत्पादकता, निर्यात क्षमता तथा निवेश में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। यह बजट पूर्ण रूप से जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और जनहित योजनाओं पर आधारित है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के विजन की स्पष्ट झलक दिखाई देती है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने यह विचार बुधवार को नरवाना में क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनते हुए व्यक्त किए। उन्होंने केंद्रीय बजट की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि यह बजट गरीब, युवा, किसान, कामगार, छोटे व्यापारियों और उद्यमियों की प्रगति का नया सूत्रपात करेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की तर्ज पर राज्य सरकार भी समग्र एवं संतुलित विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए वे स्वयं भी प्रयासरत हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निकट भविष्य में नरवाना को विकास की नई रफ्तार मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि गत वर्ष अगस्त में प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं का रोडमैप तैयार हो चुका है, जिसके तहत क्षेत्र में अनेक परियोजनाओं का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजनाओं से नरवाना एक विकसित मॉडल के रूप में उभरकर सामने आएगा।

लाडवा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, सिंचाई, स्वास्थ्य, नगरीय सुविधाओं के क्षेत्र में सरकार ने किए अभूतपूर्व कार्य : नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने लाडवा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, सिंचाई, स्वास्थ्य, पशुपालन, खेल, पर्यावरण संरक्षण और नगरीय सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। यह मंच हमारे क्षेत्र के सतत विकास, जनकल्याण और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प का प्रतीक है। लाडवा विधानसभा क्षेत्र में बीते समय के दौरान जो विकास कार्य हुए हैं, वे यह सिद्ध करते हैं कि हमारी सरकार की नीति और नीयत दोनों जनहित के लिए समर्पित हैं। लाडवा हलके को विकास के मामले में अग्रणी बनाना है। हमारा उद्देश्य सिर्फ एक है, इस क्षेत्र का विकास और यहां के हर नागरिक का उत्थान हो।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को गांव खैरी में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे उन्होंने गांव खैरी में विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपए, पीने के पानी की पाइप लाइन के लिए 70 लाख रुपए और गांव की फिरनी निर्माण के कार्य को करवाने के लिए घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सरपंच द्वारा सौंपे गए मांग पत्र के संबंध में कहा कि गांव की अन्य मांगों को संबंधित विभाग के पास भेज कर पूरा करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गरीब महिलाओं को अपनी रसोई चलाने के लिए हर महीने 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। यह लाभ प्रदेश के लगभग 14 लाख 70 हजार परिवारों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किडनी के रोग से पीड़ित रोगियों के लिए सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में मुफ्त डायलिसिस की सेवाएं शुरू की हैं। पिछले एक साल में 36 हजार युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इन्हें मिलाकर पिछले 11 सालों में 1 लाख 80 हजार नौकरियां दी जा चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि लाडवा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों पर पिछले 11 वर्षों में 807 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जबकि कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में मात्र 310 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हर घर गृहिणी योजना में विधानसभा के 9 हजार 240 परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलैण्डर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना में 364 मकानों का निर्माण किया गया है और 249 मकान निमार्णाधीन हैं। आयुष्मान चिरायु योजना में 1 लाख 59 हजार लोग पात्र पाए गए हैं, इनमें से 1 लाख 20 हजार लोगों के चिरायु कार्ड बन चुके हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उमरी में उत्तर भारत के पहले राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की स्थापना 108 करोड़ रुपये की लागत से की गई। लाडवा में 26 करोड़ रुपये की लागत से मल शोधन संयंत्र स्थापित किया व सीवरेज लाइन बिछाई गई। इसी तरह गांव उमरी में संत शिरोमणि गुरु रविदास स्मारक के निर्माण का कार्य लगभग 124 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया जा रहा है। यह स्मारक सामाजिक समरसता, समानता और संत परंपरा के मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। उन्होंने कहा कि गांव उमरी में ही सरकारी पॉलिटैक्निक भवन का निर्माण 14 करोड़ 51 लाख रुपये की लागत से किया गया। लाडवा विधानसभा क्षेत्र के 65 गांवों में पीने के पानी की पाइप लाइन बिछाने का काम 11 करोड़ 51 लाख रुपये की लागत से किया गया। इस मौके पर पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, एसडीएम अनुभव मेहता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशों पर टीजीटी हिन्दी शिक्षक को किया निलंबित

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेश पर कनीपला राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के टीजीटी हिन्दी शिक्षक को निलंबित कर दिया है, इस शिक्षक पर स्कूल की छात्रा के साथ दुर्व्यवहार करने के मामले में पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया था। अब लाडवा में जनसंवाद के दौरान परिजनों द्वारा की गई शिकायत के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षक को निलंबित करने के लिए आदेश दिए । इन आदेशों के तुरंत बाद हरियाणा मौलिक शिक्षा विभाग के महानिदेशक की तरफ से शिक्षक समीर कौशिक को निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष बुधवार को लाडवा जनसंवाद में पीड़ित छात्रा के परिजनों ने शिकायत रखी कि कनीपला जीएसएसएस स्कूल में उनकी बेटी 7वीं कक्षा में पढ़ती है। इस स्कूल के शिक्षक समीर कौशिक ने उनकी बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया। इस मामले में पुलिस को शिकायत दी गई और इस मामले में पुलिस ने 19 दिसंबर को विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया। इस एफआईआर के बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार भी किया, लेकिन अभी तक आरोपी शिक्षक को निलंबित नहीं किया गया था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जनसंवाद में ही दूरभाष पर मुख्यालय पंचकुला के आला अधिकारियों को आरोपी शिक्षक को तुरंत निलंबित करने के आदेश जारी करने के निर्देश दिए।

सूरजकुंड मेला में एक स्टॉल ऐसी जहां लकड़ी पर होती है वर्ष 2026 की शुरूआत में ही मिली 26 आयुष औषधालय खोलने की स्वीकृति: आरती सिंह राव

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि आयुष औषधालय भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों को सुरक्षित, सस्ता और सुलभ बनाकर एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में मदद करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश में राजकीय आयुष औषधालय खोलने का निर्णय लिया है। फिलहाल मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पांच जिलों में 26 आयुष औषधालय और खोलने की स्वीकृति दे दी है , शेष जिलों में भी जल्द ही मैपिंग करवा कर ये औषधालय खोले जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार राज्य के लोगों को किफायती और सुलभ उपचार उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयासरत है और आवश्यकतानुसार अस्पताल खोले जा रहे हैं और सस्ती दवाएं दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि रेवाड़ी जिला के 5 गांवों लिसान , करवारा मानकपुर , रोहड़ाई , जयसिंहपुरा, झाबुवा, महेंद्रगढ़ जिला के 6 गांवों सुरजनवास , गुढ़ा , बुचावास , बावनिया , रामबास , रसूलपुर , करनाल जिला के 1 गांव फफड़ाना , कुरुक्षेत्र जिला के 4 गांव अजराना कला , कालसा , नलवी , मोहरी तथा यमुनानगर जिला के 10 गांव महियुद्दीनपुर , रतनगढ़ , भांगड़ा , तलकपुर , खुर्दबन , ताजेवाला , हड़ौली , लेडी , कोट बासवा सिंह और गांव डारपुर में राजकीय आयुष औषधालय खोले जाएंगे। आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश में आयुष पद्धति को बढ़ावा दे रही है। राज्य में आयुष सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। कुरुक्षेत्र में आयुष विश्वविद्यालय स्थापित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य की जनता की सेहत के सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

गजब की नक्काशी, मूर्तियां देख रह जाएंगे निहारते

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन व हरियाणा पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा की देख-रेख में हरियाणा के जिला फरीदाबाद के सूरजकुंड में लोकल फॉर ग्लोबल-आत्मनिर्भर भारत की पहचान थीम के साथ आयोजित किया जा रहा 39वां सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला हरियाणा प्रदेश ही नहीं अपितु देश के अन्य राज्यों के हस्तशिल्पियों को भी अपनी हस्तकला का प्रदर्शन करने के लिए बेहतरीन मंच प्रदान कर रहा है। सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला में आए ऐसे ही एक हस्तशिल्पी हैं तिरुपति बालाजी से आए फूला चंदू मेला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोक व आत्मनिर्भर भारत विजन को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। फूला चंदू को लकड़ी पर नक्काशी करने में महारथ हासिल है।

सुभाष सुधा ने महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती पर आयोजित 12 दिवसीय चतुर्वेद महायज्ञ में डाली आहुति

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि देश की प्राचीन संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों को सहेजने का कार्य संत समाज द्वारा किया जा रहा है। इसलिए युवा पीढ़ी को महान संतों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा मंगलवार को देर सायं महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती एवं स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस शताब्दी के शुभारंभ अवसर पर 12 दिवसीय चतुर्वेद महायज्ञ कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा,स्वामी सम्पूर्णानंद सरस्वती, राष्ट्रीय शिक्षण मंडल संयोजक मुकुल, रजिस्ट्रार डा. विरेन्द्र पाल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय डा. अम्बेडकर संस्थान के निदेशक डा.प्रीतम सिंह, जिला परिषद के उपाध्यक्ष डीपी चौधरी, मार्किट कमेटी के चेयरमैन सुरेश सैनी कुक्कु ने महायज्ञ में मंत्रोंच्चारण के बीच आहुति डाली।

उन्होंने कहा कि भारत में हमेशा ऋषि मुनियों और संतों के पद चिन्हों पर चलकर संस्कृति और संस्कारों की शिक्षा को आगे बढाया जा रहा है। इस देश की संस्कृति रही है कि ऋषि मुनि और संत देश की भावी पीढ़ी को अच्छी शिक्षा और संस्कार देकर देश की तरक्की में हमेशा योगदान देते रहे है। आज युवा पीढी को ऐसे महान व्यक्तित्तव वाले लोगों को आदर्शों को अपने जीवन में धारण करने की जरूरत है।

इस मौके पर पार्षद प्रतिनिधि नरेन्द्र शर्मा निंदी, सुनहेडी के सरपंच सुंदर सिंह, अजमेर सिंह,सुखबीर,पार्षद गौरव भट्टद,पार्षद सुधीर चुघ आदि उपस्थित थे।

एमओयू से केयू में स्टार्टअप और नवाचार को मिलेगा बलः प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (यूआईईटी) और रुहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (आरएफटी) के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान एवं नवाचार को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेंद्र पाल तथा रूहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजीज की ओर से अंशिका जायसवाल ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज शिक्षा, प्रशासन, उद्योग और समाज के हर क्षेत्र में परिवर्तन की धुरी बन चुकी है। विश्वविद्यालयों की भूमिका अब केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं रही, बल्कि छात्रों को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार करना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। रुहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजीज के साथ यह समझौता राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप है, जिसमें कौशल आधारित, शोध उन्मुख और नवाचार प्रेरित शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, एआई लैब और इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से विश्वविद्यालय के छात्र न केवल नवीनतम तकनीकों से परिचित होंगे, बल्कि उन्हें लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स, स्टार्टअप विकास और वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जाएगा। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से निकलने वाले छात्र रोजगार तलाशने वाले ही नहीं, बल्कि रोजगार सृजन करने वाले बनें। यह पहल विश्वविद्यालय को तकनीकी नवाचार और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित करेगी। एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान रुहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजीज की ओर से अमित परमार (चीफ एआई आर्किटेक्ट) ने आरएफटी की कार्यप्रणाली, तकनीकी विशेषज्ञता तथा भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इसके उपरांत अंशुल रुहिल (संस्थापक, रुहिल होल्डिंग्स) ने इस एमओयू के अंतर्गत संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, इंटर्नशिप, शोध सहयोग एवं औद्योगिक परियोजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की और विद्यार्थियों को उद्योग से जोड़ने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

22 जिलों में डे केयर कैंसर केंद्रों ने किया संचालन शुरूः डॉ. सुमिता मिश्रा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि राज्य के 22 जिला नागरिक अस्पतालों में आज से डे केयर कैंसर केंद्र (डीसीसीसी) कार्य करना शुरू कर चुके हैं। यह पहल विकेंद्रीकृत कैंसर देखभाल को सशक्त बनाएगी और आवश्यक उपचार सेवाएं मरीजों के घर के नजदीक उपलब्ध कराएगी। इससे पहले राज्य के पांच जिलों–अंबाला, पंचकूला, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर और फरीदाबाद में ऐसे केंद्र संचालित थे। डॉ. मिश्रा ने कहा कि इन केंद्रों की परिकल्पना विकेंद्रीकृत कैंसर देखभाल सुविधाओं के रूप में की गई है, जिसका उद्देश्य मरीजों के लिए उपचार को अधिक सुलभ, किफायती और निरंतर बनाना है। जिला स्तर पर सेवाएं उपलब्ध होने से नियमित और फॉलो-अप उपचार के लिए तृतीयक अस्पतालों में बार-बार रेफरल की आवश्यकता कम होगी। नव-प्रारंभित डे केयर कैंसर केंद्रों के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. मिश्रा ने बताया कि ये केंद्र एनसीआई झज्जर, पीजीआईएमएस रोहतक, सर्वोदय अस्पताल फरीदाबाद तथा एसीसीसी अंबाला कैंट को हब बनाकर, हब एवं स्पोक मॉडल के तहत फॉलो-अप कीमोथेरेपी सेवाएं प्रदान करेंगे। डॉ. मिश्रा ने कहा कि कैंसर देश में तेजी से मृत्यु और रोग भार का एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है, जो सभी आयु वर्गों, लिंगों और भौगोलिक क्षेत्रों के लोगों को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि कैंसर न केवल आर्थिक रूप से सक्रिय आबादी को प्रभावित करता है, बल्कि बढ़ती बुजुर्ग आबादी पर भी इसका प्रभाव है, जिससे शीघ्र पहचान, समय पर उपचार और दीर्घकालिक सहयोग महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताएं बन जाती हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग कैंसर के जोखिम कारकों और स्वस्थ जीवनशैली को लेकर जागरूकता अभियानों को तेज कर रहा है।

फर्जी बिलों पर साइन करने का दबाव बनाने वाले वन विभाग के अधिकारी पर होगी कार्रवाई : नायब सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र (लड़वा)

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कर्मचारी से फर्जी बिलों पर साइन करने का दबाव बनाने वाले वन विभाग के अधिकारी पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री को शिकायत में गुरमीत ने बताया कि वह फौज से रिटायर है और अब वन विभाग में नौकरी कर रहा है। वन विभाग का एक अधिकारी उससे फर्जी बिलों पर साइन करने का दबाव बना रहा है, जब उसने मना किया तो उसे कार्रवाई करने का डर दिखाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा विधानसभा के लोगों की समस्याओं को हल करने में लापरवाही बताने वाले अधिकारियों कर्मचारियों को फटकार लगाई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब कोई नागरिक अपनी समस्या लेकर आता है तो अधिकारी तुरंत संज्ञान लेते हुए समस्या का समाधान करें। कोई अधिकारी किसी नागरिक की समस्या का दो या तीन चक्कर लगाने के बाद समाधान नहीं कर रहा तो ऐसे कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नायब सिंह सैनी मंगलवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस लाडवा में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम के दौरान आमजन की समस्याओं को सुन रहे थे। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतिश अग्रवाल मौजूद रहे। इस दौरान करीब 225 समस्याओं को सुना और मौके पर ही उन समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उपायुक्त को निर्देश दिए कि कलाल माजरा निवासी सुभाष के सोलर लाइट लगाने की परियोजना में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच की जाए और भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों की रिपोर्ट बनाकर भेजी जाए। मुख्यमंत्री ने टाटकी की नर्सरी के खिलाड़ियों को डाइट का पैसा ना मिलने के मामले में उपायुक्त को जांच करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री को बलजिंदर ने शिकायत में बताया कि 15 जून 2024 से शुरू नर्सरी में खिलाड़ियों को डाइट का पैसा नहीं दिया जा रहा है। इसी तरह पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि ठगी करने वाले आरोपी पर लगे आरोप साबित हो चुके हैं तो आरोपी की प्रॉपर्टी को अटैच किया जाए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राजीव की शिकायत पर बिजली विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि वह पूरे मामले की जांच करें और पता लगाएं कि जब परिवार यहां नहीं रहता तो बिजली चोरी का केस कैसे और किसने बनाया। इस मामले की पूरी रिपोर्ट बनाकर पेश की जाए। इसी तरह कलाल माजरा निवासी महेंद्र की शिकायत पर उनके डेरे में रहने वाले 20 घरों को बिजली सप्लाई उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरपाल को उसकी बहन की शादी के लिए आर्थिक मदद करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री को वीरपाल ने शिकायत में बताया कि वह विकलांग है और उसके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है। अब उसके पास अपनी बहन की शादी करने के लिए पर्याप्त मात्रा में बजट नहीं है। इसी तरह रजनी की शिकायत पर उपायुक्त को लीड बैंक मैनेजर के माध्यम से बातचीत कर उनकी मदद करने की के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में बुजुर्गों को परिवार पहचान पत्र में 60 वर्ष पूरे होने और आयु के सत्यापन के बाद बिना किसी आवेदक के बुढ़ापा पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश भर में पेंशन काटने की जो शिकायत उनके पास आ रही है। उनका विभागीय स्तर पर समाधान किया जा रहा है।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, एसडीएम अनुभव मेहता, भाजपा जिला अध्यक्ष तिजेंदर सिंह गोल्डी, भाजपा नेता सुभाष कलसाना, जयभगवान शर्मा डीडी, नगर पालिका की चेयरपर्सन साक्षी खुराना, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, नायब सिंह पटाक माजरा, पूनम सैनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संपादकीय

डिजिटल दुनिया का हैरतंगेज झटका: अब मशीन देगी इंसानों को रोजगार

तकनीक की दुनिया में एक समय इंसान मशीनों को काम पर लगाता था, लेकिन अब तस्वीर तेजी से बदल रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ इंसानों की जगह लेने की बात तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब वह इंसानों को 'काम पर रखने' की भूमिका में भी दिखाई दे रहा है। हाल ही में लॉन्च हुए नए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने इस विचार को वास्तविकता का रूप दे दिया है, जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम मानवों को छोटे-छोटे कार्य सौंपते हैं और बदले में उन्हें भुगतान किया जाता है। यह बदलाव भविष्य की 'ह्यूमन- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इकोनॉमी' की एक झलक माना जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टास्क प्लेटफॉर्म्स दरअसल ऐसे डिजिटल मार्केटप्लेस हैं जहाँ मशीन लर्निंग मॉडल या ऑटोमेटेड सिस्टम कुछ खास काम इंसानों से करवाते हैं। ये काम देखने में छोटे लग सकते हैं—जैसे डेटा लेबलिंग, इमेज पहचान, कंटेंट मॉडरेशन, वॉयस सैंपल रिकॉर्डिंग या लोकल जानकारी की पुष्टि—लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम के लिए ये बेहद अहम होते हैं। सरल शब्दों में कहें तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस खुद को बेहतर बनाने के लिए इंसानों की मदद ले रहा है और इसके बदले भुगतान भी कर रहा है। यही कारण है कि इसे ए आई हायरिंग ह्यूमन्स कहा जा रहा है। भले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, लेकिन उसे सटीक और भरोसेमंद बनाने के लिए मानव हस्तक्षेप जरूरी रहता है। उदाहरण के लिए—आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किसी तस्वीर में मौजूद वस्तुओं को पहचान सकता है, लेकिन स्थानीय संदर्भ समझने में गलती कर सकता है। भाषा के भाव, व्यंग्य या सांस्कृतिक संदर्भ समझना अब भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए चुनौतीपूर्ण है। फेक न्यूज़, हेट स्पीच या संवेदनशील कंटेंट की पहचान में इंसानी निर्णय ज्यादा विश्वसनीय रहता है। यही वजह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनियाँ 'ह्यूमन इन लूप' मॉडल अपना रही हैं, जिसमें मशीन और इंसान मिलकर काम करते हैं। इन नए प्लेटफॉर्म्स पर काम करने वाले लोग फ्रीलांसर की तरह जुड़ते हैं। वे अपने मोबाइल या लैपटॉप से लॉग इन करके छोटे-छोटे टास्क पूरा करते हैं और हर टास्क के बदले माइक्रो-पेमेंट पाते हैं। यह मॉडल खास तौर पर उन लोगों के लिए अवसर खोल रहा है जो घर से काम करना चाहते हैं—जैसे छात्र, गृहिणियाँ, पार्ट-टाइम काम तलाशने वाले युवा या छोटे शहरों के डिजिटल वर्कर। हालाँकि भुगतान बहुत अधिक नहीं होता, लेकिन बड़ी संख्या में टास्क पूरे करने पर यह एक अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है। कई विशेषज्ञ इसे 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस माइक्रो-वर्क इकोनॉमी' कह रहे हैं। ओला-उबर, स्विगी-जोमेटो जैसी सेवाओं ने गिग इकॉनमी को बढ़ावा दिया, जहाँ इंसान ऐप्स के जरिये काम लेते थे। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्लेटफॉर्म्स उसी मॉडल को डिजिटल दुनिया में आगे बढ़ा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि अब 'बॉस' कोई इंसान या कंपनी का मैनेजर नहीं, बल्कि एक एल्गोरिदम है। यह एल्गोरिदम तय करता है कि किसे कौन सा टास्क मिलेगा, काम की गुणवत्ता कैसी है और भुगतान कितना होगा। यानी कार्य प्रबंधन पूरी तरह ऑटोमेटेड है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा इंसानों को काम देने का यह मॉडल जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही जटिल भी है। इसके साथ कई सवाल जुड़े हुए हैं—आय की स्थिरता: अधिकतर टास्क अस्थायी होते हैं और भुगतान भी कम होता है। यह स्थायी नौकरी का विकल्प नहीं बन पाता। श्रम अधिकारों का सवाल क्योंकि यह फ्रीलांस मॉडल है, इसलिए काम करने वालों को स्वास्थ्य बीमा, सामाजिक सुरक्षा या न्यूनतम वेतन जैसी सुविधाएँ नहीं मिलतीं। एल्गोरिदमिक नियंत्रण: काम देने और रेटिंग तय करने वाला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम पारदर्शी नहीं होता। कई बार अकाउंट ब्लॉक होने या भुगतान में देरी की शिकायतें भी सामने आती हैं। डेटा गोपनीयता: काम करते समय यूजर्स को संवेदनशील डेटा से जुड़ी सामग्री भी मिल सकती है, जिससे प्राइवेसी और एथिक्स के मुद्दे खड़े होते हैं। भारत जैसे देश, जहाँ बड़ी युवा आबादी डिजिटल रूप से जुड़ रही है, वहाँ यह मॉडल तेजी से फैल सकता है। सस्ते इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुँच ने पहले ही ऑनलाइन फ्रीलांसिंग को बढ़ावा दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित माइक्रो-वर्क प्लेटफॉर्म्स ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों के युवाओं को वैश्विक डिजिटल कार्य से जोड़ सकते हैं। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि इसे 'रोजगार क्रांति' मान लेना जल्दबाजी होगी। यह आय का पूरक स्रोत हो सकता है, लेकिन पूर्णकालिक नौकरी का विकल्प नहीं। तकनीक के जानकारों का मानना है कि भविष्य की अर्थव्यवस्था 'इंसान बनाम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की नहीं, बल्कि 'इंसान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की साझेदारी पर आधारित होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा प्रोसेस करेगा, पैटर्न पहचानेगा और निर्णय लेने में मदद करेगा, जबकि इंसान संवेदनशीलता, रचनात्मकता और नैतिक समझ के साथ उसकी कमियों को पूरा करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा इंसानों को काम देना इसी साझेदारी का नया रूप है। मशीनें खुद को बेहतर बनाने के लिए इंसानों की सेवाएँ ले रही हैं—और बदले में उन्हें डिजिटल मजदूरी दे रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का यह नया मॉडल काम और कमाई की पारंपरिक परिभाषा बदल रहा है। अब इंसान सिर्फ मशीनों का उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम का सहयोगी श्रमिक भी बन रहा है। यह अवसरों का दरवाजा खोलता है, लेकिन साथ ही श्रम अधिकार, पारदर्शिता और आय सुरक्षा जैसे सवाल भी खड़े करता है। आने वाले समय में सरकारों, टेक कंपनियों और श्रम संगठनों को मिलकर यह तय करना होगा कि एक आधारित इस नई डिजिटल अर्थव्यवस्था को किस तरह संतुलित और न्यायपूर्ण बनाया जाए।

भारत ने फिर दिखाया सामर्थ्य

मृत्युंजय दीक्षित (हि.स)

भारत और अमेरिका के मध्य अप्रैल 2025 से प्रारंभ हुआ टैरिफ वॉर अब समझौते के साथ समापन की ओर अग्रसर हो रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प की ओर से भारत पर टैरिफ घटाने के ऐलान के साथ ही शेयर बाजार में उछल आया और निवेशकों के चेहरे खिल उठे। डॉलर के मुकाबले रुपए में भी मजबूती दिखी।

यूरोपियन यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते के बाद से अनुमान लगाया जा रहा था कि अमेरिका दबाव में आ गया है और उसे भारत की व्यापार चिंताओं का सम्मान करना ही पड़ेगा और अंततः ऐसा हुआ भी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे बात की। वह सबसे अच्छे दोस्तों में से एक हैं और अपने देश के शक्तिशाली नेता हैं। हमने एक नहीं कई मुद्दों पर बात की जिसमें व्यापार और रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना भी शामिल था। मोदी के लिए दोस्ती और उनके सम्मान के चलते और उनकी मांग पर तत्काल प्रभाव से हम अमेरिका और भारत के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं, जिसमें अमेरिका भारत पर लगाए गए टैरिफ को 25 से घटाकर 18 प्रतिशत कर रहा है।

जैसे ही सोशल मीडिया पर अमेरिकी राष्ट्रपति का बयान आया, वैसे ही भारत में भी हलचल तीव्र हो गई। एनडीए संसदीय दल की बैठक में अमेरिका के साथ हो रहे समझौते पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने बहुत समय तक धैर्य रखा, जिसका परिणाम हम सभी के सामने है। अमेरिका की ओर से की गई इस घोषणा से दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच व्यापारिक तनाव को कम करने में सहायता मिलेगी।

भारत सर्वाधिक लाभ में: भारत और अमेरिका के बीच जो व्यापार समझौता हुआ है उसका सर्वाधिक लाभ भारत को मिलने जा रहा है।टैरिफ को लेकर ट्रंप की घोषणा के बाद भारत इस मामले में पड़ोसी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले अधिक लाभ में आ गया है। चीन और पाकिस्तान की तुलना में भारत पर अब कम टैरिफ है।इंडोनेशिया, बांग्लादेश और वियतनाम भारत से अधिक टैरिफ वाले देश बन चुके हैं। वर्तमान समय में बांग्लादेश और वियतनाम पर 20, मलेशिया, कंबोडिया, थाईलैंड और पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ लगा हुआ है। समाचार यह भी है कि अब भारत भी अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ और गैर टैरिफ बाधाओं को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा जा रहा है कि इसे संभावित रूप से शून्य तक ले जाया जा सकता है। यह भारत की वर्तमान व्यापार नीति में बाजार पहुंच के सबसे बड़े बदलावों में से एक है। जैसे ही भारत अमेरिकी उत्पादों के लिए अपने बाजार खोलेगा कई अमेरिकी वस्तुएं भारतीय उपभोक्ताओं के लिए काफी सस्ती हो जाएंगी।

भारतीय बाजार में लैपटॉप, गैजेट्स और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की कीमतें कम हो सकती हैं। घरेलू उपकरणों की पहुंच आसान हो जाएगी।निर्यात के मोर्चे पर भी भारत को बहुत लाभ होने जा रहा है। अमेरिका से टैरिफ कम हो जाने के बाद हमारे टैक्स्टाइल, आभूषण और रत्न निर्यात पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इन सेक्टर्स के अलावा भारत का चमड़ा और फुटवियर उद्योग अमेरिका को हर वर्ष 1.18 अरब, केमिकल उद्योग 2.34 अरब और इलेक्ट्रिक और मशीनरी उद्योग 9 अरब डॉलर का निर्यात करता है।

विश्लेषकों का अनुमान है कि भारत और अमेरिका के मध्य द्विपक्षीय व्यापार अगले कुछ वर्षों में 500 अरब डॉलर की ओर 5 गुना गति से बढ़ेगा और नए व्यापार समझौते से भारी आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। अमेरिका के साथ डील फाइनल हो जाने के कारण अब एक नई सप्लाई चेन मिल गई है जिसका लाभ भी भारत को मिलेगा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बाद भारत की जीडीपी वृद्धि बढ़कर 6.9 प्रतिशत हो सकती है। टैरिफ कटौती से भारत की आर्थिक वृद्धि निवेश, वातावरण और वाह्य संतुलन को समर्थन मिलेगा। गोल्डमैन एक्स का मानना है कि अगर यह टैरिफ लागू रहता है तो इससे भारत की अर्थव्यवस्था को व्यापक लाभ होगा। अब ट्रेड पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता कम हो जाएगी। उद्योग जगत इसे भरोसा बढ़ाने वाला कदम मान रहा है और एफआईआई की वापसी से बाजारों में सकारात्मक वातावरण बनने की संभावना बताई जा रही है।

भारत और अमेरिका के मध्य हुआ समझौता इंगित करता है कि अब पूरी दुनिया भारत में व्यापार के माध्यम से निवेश के नए अवसर खोज रही है। यह समझौता न सिर्फ भारत की विकास आकांक्षाओं को गति देगा बल्कि देश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और नवाचार का केंद्र बनाने के लक्ष्य को भी मजबूती देगा। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत विकास पथ पर है और यह डील विकास को अतिरिक्त गति देगी। यह कदम भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों में भरोसा बढ़ाने वाला है और विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप दिख रहा है। इस समझौते के लागू हो जाने के बाद अब निवेश और रोजगार के नए अवसर भी सामने आयेंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज कार्यस्थल पर आपकी रचनात्मकता सबका ध्यान आकर्षित करेगी। लोग आपके विचारों की सराहना करेंगे, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। किसी भी प्रकार की बुरी आदत या नशे से दूरी बनाए रखना जरूरी है। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: परिवार के साथ समय बिताना मानसिक शांति देगा। सेहत को लेकर लापरवाही न बरतें, विशेषकर खानपान संतुलित रखें। किसी भी कार्य में जल्दबाजी से बचें, क्योंकि योजनाओं में अचानक बदलाव बाधा बन सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: व्यापार से जुड़े लोगों को आज अच्छा आर्थिक लाभ मिल सकता है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रहेगा। नई स्किल सीखने या प्रोफेशनल ग्रोथ पर काम करने के लिए समय अनुकूल है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: अपनी निजी या गोपनीय बातें किसी से साझा करने से बचें। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति के अवसर मिल सकते हैं। प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगों को विशेष उपलब्धि मिल सकती है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: कार्यक्षेत्र में आज प्रदर्शन शानदार रहेगा। उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपकी कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव आएगा। परिवार के साथ आनंदमय समय बीतेगा। छात्रों के लिए शिक्षा संबंधी बाधाएं दूर होंगी। पुराने तनाव खत्म होने से मानसिक शांति मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। दोस्तों से मतभेद हो सकते हैं, इसलिए वाणी पर संयम रखें। खानपान पर विशेष ध्यान दें। मानसिक अस्थिरता महसूस हो सकती है, इसलिए ध्यान या योग मददगार रहेगा। काम में लापरवाही न करें और लंबी यात्रा टालना बेहतर होगा। *(सिटी दर्पण)*

तुला: आय के नए स्रोत बनने के संकेत हैं। संपत्ति से लाभ मिल सकता है। हालांकि शरीर को आराम देना जरूरी है, इसलिए अत्यधिक काम से बचें। आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे। बच्चों की उपलब्धियां गर्व का कारण बनेंगी। मित्रों की सलाह भविष्य में लाभदायक सिद्ध हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पिता या वरिष्ठ सदस्य के साथ संबंध मजबूत रखें। काम की गुणवत्ता सुधारने की आवश्यकता होगी। व्यापार में बड़े लक्ष्य तय कर सकते हैं। उच्च शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों की बाधाएं दूर हो सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनु: आज प्रेमी से दिल की बात कहने का सही समय है। नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो अवसर अनुकूल हैं। अधिकारियों के साथ संबंध मजबूत होंगे। आध्यात्मिक रुझान बढ़ेगा। गलत सलाह देने वालों से दूरी बनाए रखें। धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: नकारात्मक विचारों से बचें, वरना काम प्रभावित हो सकता है। सेहत में हल्की परेशानी संभव है, विशेषकर पेट से जुड़ी दिक्कतें। किसी पुराने निर्णय को लेकर पछतावा हो सकता है। संपत्ति में बड़ा निवेश फिलहाल टालें। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: व्यापार में लाभ से आत्मविश्वास बढ़ेगा। लंबे समय से अटके कार्य पूरे हो सकते हैं। बुद्धिमान लोगों का मार्गदर्शन मिलेगा। समय प्रबंधन बेहतर रहेगा। वैवाहिक जीवन में आकर्षण और प्रेम बढ़ेगा। अविवाहित लोगों के विवाह प्रस्ताव आगे बढ़ सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मीन: रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अवसर मिलेंगे। विरोधियों पर विजय मिलेगी। पुराने कर्ज चुकाने के लिए दिन अनुकूल है। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें, विशेषकर रक्त संबंधी समस्याओं को नजरअंदाज न करें। *(सिटी दर्पण)*

भारत के संबंध में वैश्विक स्थिति को कैसे बदल रहे हैं व्यापार समझौते

भारतीय उत्पादन और सेवाओं को वैश्विक अर्थव्यवस्था में ज्यादा से ज्यादा इंटीग्रेट करने और निवेश अवसरों को बढ़ावा देकर घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने के लिए भारत की नई अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति देश के मौजूदा और नए विकसित आर्थिक ढांचे का इस्तेमाल करना चाहती है, साथ ही मौजूदा और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से इसे रीडिजाइन भी कर रही है। सप्लाई चेन में रुकावटें, बढ़ते व्यापार प्रतिबंध, फिर से उभरते टैरिफ के खतरे और भू-राजनीतिक तनाव- ये सभी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। इसे देखते हुए भारत को भरोसेमंद, लंबे समय के सहयोगी के तौर पर देखा जा रहा है।

भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रति दृष्टिकोण वैश्विक व्यापार माहौल के साथ बदल रहा है क्योंकि रुझान बताते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में संरक्षणवादी नीतियां ज्यादा आम हो रही हैं और एशिया-प्रशांत में वाणिज्य ज्यादा क्षेत्रीय हो रहा है।

मोदी सरकार की नई रणनीति में अपने मौजूदा आर्थिक ढांचे को फिर से व्यवस्थित करना और उसका इस्तेमाल करना दोनों शामिल हैं। मोदी सरकार की तरफ से बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 में मैन्युफैक्चरिंग का देश की जीडीपी में 20% से भी कम योगदान था, जबकि सेवाओं का 50% से ज्यादा था।इसलिए, भारत की रणनीति घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और मैन्युफैक्चरिंग में निर्यात की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए निवेश के अवसरों को बढ़ावा देना है, साथ ही भारतीय सेवाओं को वैश्विक अर्थव्यवस्था में इंटीग्रेट करने को ऑप्टिमाइज करना है।

मोदी सरकार के तहत भारत ने कई महत्वपूर्ण पॉलिसी बदलाव किए हैं जो पिछले कुछ सालों में देश की अर्थव्यवस्था की दिशा को प्रभावित कर रहे हैं, ताकि अंदरूनी समस्याओं को सुलझाया जा सके और बाहरी माहौल में होने वाले बदलावों के हिसाब से खुद को ढाला जा सके।

मेक इन इंडिया 2.0 पहल के ट्रेड रिफॉर्म्स का मकसद 27 अलग-अलग इंडस्ट्रीज को मजबूत करना और देश को दुनिया के लिए एक भरोसेमंद एक्सपोर्टर के तौर पर स्थापित करना है। लंबे समय तक चलने वाले विदेशी निवेश को आकर्षित करना और 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को आगे बढ़ाना इस कोशिश के दो मुख्य लक्ष्य हैं। अंतरराष्ट्रीय निवेश, विकास और स्थिरता के लिए बेहतरीन जगह के तौर पर देश की प्रतिष्ठा को बेहतर बनाने के लिए, सरकार रेगुलेटरी रिफॉर्म्स को बढ़ावा दे रही है, खास इंसेंटिव दे रही है और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTAs) का विस्तार कर रही है।

साल 2030 तक अपने एक्सपोर्ट को $2 ट्रिलियन तक बढ़ाने के लक्ष्य के साथ भारत ने साल 2023 में अपनी विदेश व्यापार नीति (FTP) को फिर से डिजाइन किया। FTP एक लचीली और गतिशील रणनीति है जो एक ऐसा ढांचा तैयार करती है जो व्यापार करने में आसानी (EoDB) को बढ़ावा देता है, प्रक्रियात्मक बाधाओं को कम करता है, व्यापार के डिजिटलीकरण को सक्षम बनाता है और भारतीय व्यवसायों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है।इसका मकसद एक ऐसा रिस्पॉन्सिव और अनुकूलनीय ढांचा बनाना है जिसे तय पॉलिसी चक्रों का इंतजार किए बिना बदला जा सके। इस व्यापार रणनीति के अनुरूप, मोदी सरकार के 2026 के केंद्रीय बजट में भारत को एक वैश्विक उत्पादन और सोर्सिंग बेस के रूप में स्थापित करने के लिए नई पहलें शामिल थीं, जो मुख्य रूप से रक्षात्मक व्यापार रुख से हटकर अधिक आक्रामक, दूरदर्शी दृष्टिकोण की ओर बढ़ रही हैं।

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वार्ल (हि.स)

भारत की बदलती व्यापार नीतियों का लक्ष्य सिर्फ एक्सपोर्ट और निवेश पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अर्थव्यवस्था को वैश्विक नेतृत्व के लिए फिर से स्थापित करना है। व्यापक मुक्त व्यापार समझौतों और सरल टैरिफ प्रणालियों के साथ उत्पादों और सेवाओं के उद्योग में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी। भारत हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग, श्रम-गहन एक्सपोर्ट, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत मुक्त व्यापार समझौतों पर ध्यान केंद्रित करके साल 2032 तक $10 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने की नींव रख रहा है। इन सुधारों का मकसद लंबे समय में प्रति व्यक्ति आय बढ़ाना और नौकरियां पैदा करना भी है, खासकर भारत के युवाओं के लिए।

ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष महामहिम उसुर्ला वॉन डेर लेयेन ने 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा की। यूरोपीय संघ की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जिसका वैश्विक जीडीपी में 25% हिस्सा है, और भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, एक भरोसेमंद साझेदारी और अभूतपूर्व बाजार पहुंच स्थापित कर रही हैं। 99 प्रतिशत से अधिक भारतीय निर्यात को यूरोपीय संघ में तरजीही प्रवेश दिया गया है, जिससे विकास की अपार संभावनाएं खुल रही हैं। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते का मूल लक्ष्य भारत और 27 यूरोपीय संघ के सदस्यों के बीच व्यापार की पूवार्नुमेयता, सामर्थ्य और सुगमता में सुधार करना है।

कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण जैसे श्रम-गहन उद्योगों में 33 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात को FTA के तहत तरजीही पहुंच से बहुत फायदा होगा, FTA MSMEs के लिए नए अवसर खोलेगा और महिलाओं, कारीगरों, युवाओं और पेशेवरों के लिए रोजगार पैदा करेगा। इसके अतिरिक्त, पारस्परिक बाजार पहुंच के साथ FTA का सावधानीपूर्वक कैलिब्रेटेड ऑटो उदारीकरण भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात के लिए दरवाजे खोलेगा और संवेदनशील कृषि उत्पादों और डेयरी क्षेत्र को बिना किसी बाजार पहुंच के सुरक्षित रखेगा।

यूरोपीय संघ भारत के सबसे बड़े वाणिज्यिक भागीदारों में से एक है, जिसमें उत्पादों और सेवाओं में द्विपक्षीय वाणिज्य समय के साथ धीरे-धीरे बढ़ रहा है। 6.4 लाख करोड़ रुपये (75.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के निर्यात और 5.1 लाख करोड़ रुपये (60.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के आयात के साथ 2024-2025 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार कुल 11.5 लाख करोड़ रुपये (136.54 बिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा। साल 2024 में भारत और यूरोपीय संघ के बीच सेवाओं में व्यापार कुल 7.2 लाख करोड़ रुपये (83.10 बिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक और युवा, जोशीली कामकाजी आबादी के साथ भारत इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का फायदा उठाकर रोजगार बढ़ाने, इनोवेशन को बढ़ावा देने, कई तरह के उद्योगों में मौके खोलने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कॉम्पिटिटिवनेस को बेहतर बनाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

कमोडिटी और सेवाओं में ट्रेड, ट्रेड रेमेडीज, कस्टम्स और ट्रेड फैसिलिटेशन जैसे पारंपरिक सेक्टर के अलावा, भारत-एव ट्रेड पैक्ट में रटए२ और डिजिटल ट्रेड जैसे नए क्षेत्र भी शामिल हैं। इसके अलावा, एव सदस्य देशों में जहां पारंपरिक मेडिकल तरीकों को रेगुलेट नहीं किया जाता है, वहां भारत ने भारतीय पारंपरिक चिकित्सा के प्रैक्टिशनर्स को अपने टाइटल के तहत काम करने का अधिकार हासिल कर लिया है।

विविधीकरण और आगे का रास्ता

भारत का 22वां मुक्त व्यापार भागीदार एव है। भारत ने साल 2025 में न्यूजीलैंड के साथ एक व्यापार समझौते के पूरा होने की घोषणा की और ओमान और यूनाइटेड किंगडम के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। एव व्यापार समझौता, UK के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता और EFTA अनिवार्य रूप से भारतीय कंपनियों, निर्यातकों और उद्यमियों को पूरे यूरोपीय बाजार तक पहुंच प्रदान करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए बयानों के अनुसार, भारत-अमेरिका व्यापार सौदा अब तक का सबसे अच्छा सौदा होगा और भारतीय कंपनियों को बहुत मदद करेगा।

यह देखते हुए कि भारत का माल निर्यात कुछ ही महत्वपूर्ण देशों और वस्तुओं पर केंद्रित है और इन समूहों के बाहर की मात्रा अपेक्षाकृत कम है, विविधीकरण आवश्यक है।

वर्ष 2024 में भारत के माल निर्यात का 39% अमेरिका और एव को गया, जो इसके दो सबसे बड़े निर्यात गंतव्य हैं। ये बाजार विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के लिए भी मुख्य गंतव्य हैं और भारत के सेवा निर्यात के सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। भारत एक ऐसा भविष्य का व्यापारिक माहौल बना रहा है जो अपने मजबूत स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ एकीकृत करने और राष्ट्र के अधिक वैश्विक आर्थिक एकीकरण की ओर बढ़ने के साथ-साथ कई लॉजिस्टिकल और बुनियादी ढांचे के मुद्दों को कुशलता से संबोधित करने का प्रयास करता है। भारत के कई उद्योग, जो समय के साथ फले-फूले हैं, देश के मजबूत स्थानीय वाणिज्यिक माहौल में परिलक्षित होते हैं। इन उद्योगों में पेट्रोलियम उत्पाद, इंजीनियरिंग मशीनरी, लोहा और इस्पात शामिल हैं।

731.2 मिलियन श्रमिकों के साथ भारत के पास एक ऐसा श्रम बल है जो चीन के करीब है और दक्षिण पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं से अधिक है। भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभांश युग में प्रवेश कर रहा है, जबकि कई वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं बढ़ती उम्र के कार्यबल की सिल्वर सुनामी का सामना करने के लिए संघर्ष कर रही हैं, जो महत्वपूर्ण कौशल के समूह को कम कर रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2025 और 2030 के बीच भारत की जनसंख्या में औसमिक वार्षिक दर से 0.8% की वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत के पास एक बड़ा लेकिन अप्रयुक्त श्रमबल है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार चचाओं में और अधिक क्षेत्रीय रूप से प्रतिस्पर्धी बनने के प्रयासों में एक प्रतिस्पर्धी बढ़त देता है।

कुल मिलाकर, भारत की व्यापार नीति अभी भी बदल रही है, जो बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतों और अंतर्राष्ट्रीय एकीकरण के महत्व के बीच संतुलन बना रही है। वैश्विकरण अपनाने से भारत जैसी अर्थव्यवस्थाओं को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के फायदों से आर्थिक विकास बढ़ाकर और जीवन स्तर को ऊपर उठाकर काफी बढ़ावा मिल सकता है। इसके अलावा, यह रेगुलेटरी और इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार को बढ़ावा दे सकता है, जिससे कुल मिलाकर प्रभावशीलता और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

अमेरिकी टैरिफ कटौती में भारत से ज्यादा अमेरिका का हित

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कूटनीति में कई बार फैसले तत्काल फायदे से अधिक दूरगामी मजबूरियों का नतीजा होते हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करना भी ऐसा ही एक निर्णय है, जिसे सतही तौर पर भारत के पक्ष में बड़ी जीत माना जा रहा है, किंतु गहराई से देखने पर यह कदम अमेरिका के अपने घरेलू हितों, खासकर महंगाई से जूझते आम अमेरिकी उपभोक्ताओं को राहत देने की मजबूरी का परिणाम अधिक नजर आता है। दिलचस्प बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम में भारत का धैर्य, संतुलित कूटनीति और दीर्घकालिक सोच आखिरकार रंग लाती दिखाई दी है।

पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने टैरिफ को एक राजनीतिक और रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति के तहत चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और यहां तक कि भारत जैसे मित्र देशों पर भी भारी शुल्क लगाए गए। उद्देश्य इसके पीछे जो दिखा, वह घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना और आयात को महंगा कर अमेरिकी उद्योगों को संरक्षण देना रहा लेकिन व्यवहार में इसका असर उल्टा पड़ा। ऊंचे टैरिफ का सीधा बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ा, महंगाई बढ़ी और सप्लाई चेन में अस्थिरता आई। आज जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था महंगाई के दबाव से कराह रही है, तब ट्रंप प्रशासन को यह समझमें आया कि टैरिफ की यह आक्रामक नीति लंबे समय तक टिकाऊ नहीं है।

कहना होगा कि यहीं से भारत के प्रति अमेरिकी रुख में बदलाव होता हुआ दिखता है। भारतीय उत्पादों पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करना आज भारत से अधिक अमेरिकी बाजार में कीमतों को काबू में रखने की एक व्यावहारिक कोशिश भी है। भारत से आने वाले टेक्सटाइल, फार्मा, ऑटो पार्ट्स, केमिकल और आईटी सेवाएं अमेरिकी उपभोक्ताओं और उद्योगों के लिए अहम हैं। इन पर ऊंचा शुल्क अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ाता था, जिसका असर सीधे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर पड़ता था। ऐसे में टैरिफ कटौती अमेरिका के लिए अपनी ही अर्थव्यवस्था को राहत देने का रास्ता बन गई।

वैश्विक तुलना करें तो भारत की स्थिति अब कहीं अधिक मजबूत नजर आती है। नए टैरिफ ढांचे में भारत पर 18 प्रतिशत शुल्क है, जबकि इंडोनेशिया पर 19, वियतनाम और बांग्लादेश पर 20 और चीन पर 34 प्रतिशत टैरिफ लागू है। यह अंतर वैश्विक निर्यात प्रतिस्पर्धा में बड़ा बदलाव है। अमेरिकी आयातक स्वाभाविक रूप से कम शुल्क वाले देशों से खरीद बढ़ाने की कोशिश करेंगे और इस दौड़ में भारत अब अपने एशियाई प्रतिद्वंद्वियों से आगे खड़ा दिखेगा। यह बढ़त भारत की मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात रणनीति के लिए बेहद अहम कही जा सकती है।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू ऊर्जा और भू-राजनीति से जुड़ा है। रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ हटाया जाना इस बात का संकेत है कि अमेरिका व्यापार नीति को रणनीतिक लक्ष्यों से जोड़कर देख रहा है। अमेरिका के लिए यह फैसला रूस पर दबाव बढ़ाने और अपने सहयोगियों को एकजुट रखने की रणनीति का हिस्सा है, जबकि भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता में रखते हुए संतुलित रुख अपनाया हुआ है।

यहां भारत का धैर्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है। रूस-युक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने सस्ते रूसी तेल की खरीद बढ़ाई, क्योंकि उसकी ऊर्जा जरूरतें और घरेलू अर्थव्यवस्था इसकी मांग करती थीं। पश्चिमी देशों के कई दबाव आते रहे, बावजूद भारत ने स्पष्ट किया कि ऊर्जा संबंधी फैसले राष्ट्रीय हित और बाजार परिस्थितियों के आधार पर होंगे। यही धैर्य और आत्मविश्वास अंततः भारत के पक्ष में अब आता हुआ दिखता है। पहले भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) और अब अमेरिका का खुद यह स्वीकार करना कि टैरिफ नीति में लचीलापन जरूरी है, आज यह साबित करता है कि जल्दबाजी के बजाय भारत द्वारा संतुलित कूटनीति उसके पक्ष में कितनी प्रभावी रही है।

इस व्यापार समझौते का सीधा प्रतिबिंब भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिला, जहां समझौते के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में ऐतिहासिक तेजी दर्ज की गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जबरदस्त उछाल दिखा है। ऑटो, आईटी, फार्मा, बैंकिंग और मेटल जैसे सेक्टर्स में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। यह बाजार प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि निवेशक इस फैसले को भारत की मध्यम अवधि की आर्थिक वृद्धि के लिए सकारात्मक मान रहे हैं।

एक्सिस सिक्योरिटीज जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट भी यही कहती है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता चालू खाते के घाटे को कम करने, रुपये को स्थिर रखने और बाहरी झटकों के प्रति भारत की संवेदनशीलता घटाने में मदद करेगा। बेहतर बाजार पहुंच और टैरिफ में स्थिरता से निर्यात बढ़ेगा, मैन्युफैक्चरिंग में निवेश आएगा और एफडीआई को मजबूती मिलेगी। खासकर वे सेक्टर, जिनकी अमेरिकी बाजार में मजबूत मौजूदगी है, उन्हें दीर्घकालिक लाभ मिलने की संभावना है।

इसके साथ ही यहां जो अभी सिर्फ भारत के हित में निर्णय को मान रहे हैं, उन्हें समझना होगा कि ये निर्णय भारत से ज्यादा अमेरिका के अपने हित में है, क्योंकि अमेरिका इस समय महंगाई और आर्थिक दबाव से गुजर रहा है, उसमें सस्ते और भरोसेमंद आयात के लिए भारत एक बड़ा, स्थिर और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता है। टैरिफ घटाकर अमेरिका ने अपने उपभोक्ताओं को राहत दी है, वो सप्लाई चेन को भी स्थिर करना चाह रहा है और चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह रणनीतिक रूप से अमेरिका के लिए बेहद जरूरी है।

भारत के लिए यह फैसला किसी एकतरफा रियायत से अधिक उसकी लगातार बढ़ती वैश्विक भूमिका की स्वाभाविक परिणति है। 'मेड इन इंडिया', पीएलआई स्कीम, निर्यात बढ़ाने की नीति और बहुपक्षीय कूटनीति ने भारत को उस मुकाम पर पहुंचाया है, जहां दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं उसके साथ साझेदारी को मजबूरी नहीं, अवसर के रूप में देख रही हैं।

ऐसे में कहना यही होगा कि अमेरिका द्वारा टैरिफ घटाने का निर्णय एक अच्छा और व्यावहारिक फैसला है, इसके माध्यम से अमेरिका अपने नागरिकों को महंगाई की आग से बचाने की कोशिश में सफल हो सकता है। भारत के लिए यह पूरी तरह हितकारी है। निश्चित ही ये निर्णय भारत के धैर्य, संतुलन और दीर्घकालिक सोच की जीत है। सच ही कहा गया है कि जब आप धैर्य बनाए रखते हैं तब उस स्थिति में अंततः समय अपना परिणाम धैर्यवान के पक्ष में ही देता है। फिलहाल अमेरिका-भारत टैरिफ प्रकरण में आज यही सच्चाई सामने खड़ी नजर आती है।

भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने श्री गुरु रविदास जी महाराज के 649वें प्रकाश पर्व पर वर्षभर चलने वाले राज्य स्तरीय समारोहों की शुरूआत की, 2027 में ऐतिहासिक 650वें प्रकाश पर्व की तैयारियों का हुआ आगाज

सिटी दर्पण संवाददाता
गढ़शंकर/होशियारपुर

श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आज श्री खुरालगढ़ साहिब में प्रदेश स्तरीय समागम का शुभारंभ पूर्ण धार्मिक मयार्दा एवं उत्साह के साथ श्री अखंड साहिब जी के पाठ के आरंभ के साथ किया गया। यह भव्य समागम 6 फरवरी तक चलेगा तथा इसी दिन श्री अखंड साहिब जी के भोग डाले जाएंगे। समागम के अंतिम दिन मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान गुरु चरणों में हाजिरी लगाकर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं भाईचारे की कामना करेंगे। इस अवसर पर तप स्थान श्री खुरालगढ़ साहिब से संत केवल सिंह, प्रधान श्री गुरु साधु संप्रदाय सोसायटी पंजाब संत निर्मल दास जी जौड़े वाले, राष्ट्रीय अध्यक्ष आदि धर्म मिशन संत सतविंदर हीरा, संत दयाल नाथ समुंदड़ा, संत जगीर सिंह नंदाचौर, धाम चानण पुरी सहौड़ा से संत धर्मपाल, तग्गड़ बराड़ा से बलकार सिंह, शेरपुर ढक्कों से संत रमेश दास, गांव चेता से संत मनप्रीत दास, ढिंगरियाँ से संत बलवंत सिंह, पंडोरी लध्धां से सतनाम सिंह, बसी मरुफ से संत कुलदीप सिंह के अलावा अन्य संत समाज भी विशेष तौर पर मौजूद रहे।

आज कैबिनेट मंत्रीओं हरपाल सिंह चीमा, तरुनप्रीत सिंह सौंद, हरजोत सिंह बैंस, डॉ. रवजोत सिंह और लाल चंद कटारुचक्क के अलावा डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण रौड़ी, चेयरमैन एससी कमिशन जसवीर गढ़ी, विधायक डॉ. ईशांक कुमार, संस्कृति व पर्यटन विभाग के सलाहकार दीपक बाली व अन्य शख्सियतों ने गुरु चरणों में शीश नवाया।

गुरु चरणों में शीश नवाने उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए वित्त मंत्री पंजाब हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि वर्ष 2027 में श्री गुरु रविदास महाराज जी का 650वां प्रकाश पर्व ऐतिहासिक और भव्य स्तर पर मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर 4 फरवरी से पूरे वर्ष चलने वाले समागमों की श्रृंखला आरंभ की है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी की महान शिक्षाएं सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश देती हैं, जिन्हें जन-जन तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को गुरु जी के जीवन, दर्शन और शिक्षाओं से परिचित करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार गुरु महाराज जी की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है तथा इसके लिए विशेष कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। डिप्टी स्पीकर पंजाब विधानसभा जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने कहा कि श्री खुरालगढ़ साहिब का ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व अत्यंत विशाल है और यहां आयोजित समागम सामाजिक एकता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी महाराज का जीवन और उनकी शिक्षाएं समाज को समानता, भाईचारे, प्रेम और मानव कल्याण का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि खुरालगढ़ साहिब में आयोजित होने वाला यह प्रदेश स्तरीय समागम सामाजिक समरसता को और मजबूत करने का सशक्त माध्यम बनेगा। कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी ने समाज को जाति, भेदभाव और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने का संदेश दिया। उनके विचार आज के समय में और भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने संगत से गुरु जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक ने कहा कि पंजाब सरकार गुरु रविदास जी की शिक्षाओं के अनुरूप समाज में समरसता, भाईचारे और समान अवसरों को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध है।

इस अवसर पर चेयरमैन पंजाब एससी कमीशन डॉ. जसवीर सिंह गढ़ी ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाएं सामाजिक न्याय, समानता और मानव कल्याण की सशक्त प्रेरणा हैं। गुरु जी ने अपने जीवन और वाणी के माध्यम से समाज में व्याप्त भेदभाव, ऊंच-नीच और असमानता को समाप्त करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हम सब गुरु रविदास जी के विचारों को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा अनुसूचित वर्गों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान हेतु विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की जा रही हैं। ऐसे समागम समाज में एकता, भाईचारे और सद्भाव को सुदृढ़ करते हैं। विधायक चब्बेवाल डॉ. ईशांक कुमार चब्बेवाल ने कहा कि श्री खुरालगढ़ साहिब की पावन धरती पर आयोजित यह प्रदेश स्तरीय समागम संगत के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है। गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाएं हमें सत्य, करुणा, सेवा और समर्पण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि गुरु जी के विचारों को अपनाकर ही एक समतामूलक और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। इस प्रकार के आयोजनों से युवा पीढ़ी को अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है, जो समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर अध्यक्ष एससी विंग पंजाब गुरप्रीत सिंह जी.पी., डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन, पर्यटन विभाग के डायरेक्टर संजीव तिवाड़ी, एसएसपी संदीप कुमार मलिक, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) निकास कुमार, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (सामान्य) अमरबीर कौर भुल्लर, नगर निगम कमिश्नर ज्योति बाला, एसडीएम मुकेरियां ओएशी मंडल, एसडीएम गढ़शंकर संजीव कुमार, एसडीएम दसूहा कंवलजीत सिंह, एसडीएम टांडा लवप्रीत सिंह, सहायक कमिश्नर परमप्रीत सिंह के अलावा अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने गुरु महाराज जी के चरणों में शीश नवाकर प्रदेश की शांति, खुशहाली और तरक्की की कामना की।

पंजाब सरकार व्यापारियों के मुद्दों के समाधान के लिए तीन-स्तरीय पंजाब राज्य व्यापारी आयोग को और मजबूत करेगी: हरपाल सिंह चीमा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य भर में व्यापार करने में आसानी को और मजबूत करने के लिए पंजाब सरकार के प्रयासों के हिस्से के रूप में पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज पंजाब राज्य व्यापारी आयोग (पीएसटीसी) की एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। पंजाब भवन में आयोजित यह बैठक व्यापारी समुदाय के साथ संबंधों को और मजबूत करने, शिकायत निवारण व्यवस्था को बेहतर बनाने और जिला स्तर पर तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर केंद्रित रही।

पीएसटीसी के चेयरमैन के रूप में बैठक को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि हमारा उद्देश्य एक मजबूत तीन-स्तरीय व्यवस्था स्थापित करना है जो व्यापारी समुदाय को सीधे प्रशासन से जोड़ती है, ताकि पंजाब के प्रत्येक व्यापारी को समय पर सहायता मिल सके और उनकी चिंताओं का पता लगाकर उनका समाधान किया जा सके।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने जिला व्यापार समिति के चेयरमैनों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापारियों से सक्रिय रूप से जुड़ें और जमीनी स्तर के मुद्दों पर फीडबैक लें। उन्होंने स्थानीय शिकायतों के त्वरित निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए 10 और 11 फरवरी को विशेष जिला-स्तरीय शिविर लगाने की घोषणा भी की। उन्होंने आगे कहा कि जिला व्यापार समिति के चेयरमैनों को व्यापारियों तक सक्रिय रूप से पहुंचना चाहिए और उनकी समस्याओं को समझना चाहिए। वित्त मंत्री ने आगे निर्देश दिया कि जिला स्तर पर हल हो सकने वाले मुद्दों को व्यवस्थित रूप से दस्तावेजी रूप में दर्ज किया जाए और शीघ्र समाधान के लिए पंजाब राज्य व्यापारी आयोग को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता वाले जटिल मामले या फीडबैक को उचित तरीके से सूचीबद्ध करके आयोग के साथ साझा किया जाना चाहिए ताकि प्रभावी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किए जा सकें।

इस बैठक में पीएसटीसी के उप-चेयरमैन अनिल ठाकुर, वित्तीय आयुक्त कराधान अजीत बालाजी जोशी और कराधान आयुक्त जतिंदर जोरवाल शामिल हुए। इस विचार-विमर्श के दौरान व्यापार समितियों के तकनीकी सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया।

गुरविंदर सिंह हत्या मामले में शामिल दो मुलजिम गिरफ्तार अपराध में इस्तेमाल किये गये वाहन बरामद

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/एसएएस नगर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए एस.ए.एस. नगर पुलिस ने मोहाली जिला अदालत परिसर के बाहर हुई गुरविंदर सिंह की हत्या से संबंधित दो मुलजिमों को गिरफ्तार किया है और इस अपराध को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए गए वाहन भी बरामद किए हैं। यह जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) एस.ए.एस. नगर हरमनदीप हंस ने आज यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान बलतेज सिंह उर्फ बंटी निवासी गांव टहिणा (फरीदकोट) और मंगत सिंह उर्फ मैक्स निवासी जलालाबाद (फाजिल्का) के रूप में हुई है। बरामद किए गए वाहनों में काला बजाज पल्सर मोटरसाइकिल (पी.बी.-22-डी-5444) और सफेद होंडा अमेज कार (यू.पी.-14-सीडी-6847) शामिल हैं, दोनों ही अपराध में इस्तेमाल किए गए थे। जानकारी के अनुसार, पीड़ित गुरविंदर सिंह को 28 जनवरी, 2026 को जिला अदालत परिसर, मोहाली के बाहर उनकी पार्क की गई कार के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। उनकी पत्नी, शिकायतकर्ता अमरदीप कौर ने विदेशी गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ की संलिप्तता पर संदेह जताया था, जो कथित तौर पर उनके पति को धमकी दे रहा था।

एसएसपी हरमनदीप हंस ने कहा कि जांच के दौरान सीसीटीवी विश्लेषण से पता चला है कि दो मुलजिम एक काले पल्सर मोटरसाइकिल पर आए, गोलीबारी की और बाद में कपड़े बदलकर सफेद होंडा अमेज कार में फरार हो गए। तकनीकी और मानव खुफिया जानकारी के आधार पर यह सामने आया कि अपराध की योजना गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने अपने साथियों विक्की सिंह उर्फ विक्की सत्तेवाला और रवि कुमार उर्फ रवि फरीदकोटिया, जो इस समय विदेश में हैं, की मदद से बनाई थी।

एसएसपी ने आगे कहा कि गिरफ्तार मुलजिमों के खुलासे पर पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल किया गया काला बजाज पल्सर मोटरसाइकिल और सफेद होंडा अमेज कार बरामद की है।

उन्होंने कहा कि साजिश को पूरी तरह सुलझाने के लिए बाकी साथियों और मास्टरमाइंड की पहचान करने तथा उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

इस संबंध में बीएनएस की धारा 103(1), 109 और 3(5) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत एफआईआर नंबर 23 दिनांक 28-01-2026 को एसएएस नगर के पुलिस स्टेशन सोहाना में पहले ही दर्ज है।

गैंगस्टरां ते वार का 16वाँ दिन: पंजाब पुलिस ने 689 स्थानों पर छापेमारी की; 232 गिरफ्तार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के तहत शुरू की गई निर्णायक मुहिम ह्यगैंगस्टरां ते वारह्ल को 16वें दिन भी जारी रखते हुए पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिह्नित और मैप किए गए 689 ठिकानों पर छापेमारी की। जानकारी के अनुसार, ह्यगैंगस्टरां ते वारह्ल - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक जंग है, जिसकी शुरूआत पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा 20 जनवरी, 2026 को की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए.जी.टी.एफ.) पंजाब के पूर्ण समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष कार्रवाइयाँ कर रही हैं। मुहिम के 16वें दिन पुलिस टीमों ने 232 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से दो तेजधार हथियार बरामद किए। इस प्रकार मुहिम की शुरूआत से अब तक कुल 4,628 गिरफ्तारियाँ की जा चुकी हैं। इसके अलावा, 153 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 352 व्यक्तियों को तफ्तीश और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 12 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि लोग गुप्त रूप से वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर-93946-93946 के माध्यम से रिपोर्ट कर सकते हैं और किसी भी प्रकार के अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों की सूचना/जानकारी साझा कर सकते हैं। इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम ह्लयुद्ध नशेयां विरुद्धह्ल को 340वें दिन भी जारी रखा, जिसके तहत आज 135 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 8.1 किलोग्राम हेरोइन, 2 किलोग्राम अफीम, 804 नशीली गोलियाँ/कैप्सूल और 10,750 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। साथ ही, मात्र 340 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 47,634 हो गई है। नशा छुड़ाने की मुहिम के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 23 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास इलाज करवाने के लिए राजी किया है।

बाज अख एंटी-ड्रोन सिस्टम ने तरन तारन में 4 किलो हेरोइन से भरे ड्रोन को किया बेअसर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/तरन तारन

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए तरन तारन पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) के साथ संयुक्त ऑपरेशन के तहत सरहदी चौंकी (बी.ओ.पी.) कालियां के निकट खेतों से 3.925 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

हेरोइन की खेप बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने एक डीजेआइ मैट्रिस ड्रोन भी बरामद किया है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान स्थित तस्करों द्वारा सीमा पार से खेप भेजने के लिए किया गया था। यह उन्नत तकनीक के माध्यम से सीमा पार तस्करी की कोशिशों की ओर इशारा करता है।

डीजीपी ने कहा कि सीमा पार के हैंडलरों की पहचान करने, सप्लाई रूटों का पता लगाने और पूरे नेटवर्क को नष्ट करने के लिए जांच की जा रही है।

ऑपरेशन के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए तरन तारन के सीनियर पुलिस सुपरिंटेंडेंट सुरेंद्र लांबा ने बताया कि पंजाब सरकार के ह्यबाज अखह्ल एंटी-ड्रोन सिस्टम ने सरहदी चौंकी (बी.ओ.पी.) कालियां के निकट ड्रोन की गतिविधियों का पता लगाया था। इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने बी.एस.एफ. को सूचित किया और संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप हेरोइन से भरे ड्रोन को बेअसर किया गया, जिसे बाद में खेतों से बरामद किया गया।

एस.एस.पी. ने कहा कि जिन लोगों को यह हेरोइन की खेप प्राप्त करनी थी, उनकी पहचान के लिए जांच जारी है।

इस संबंध में एफआईआर नंबर 20 दिनांक 3/2/2026 को तरनतारन के पुलिस थाना वलटोहा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 सी तथा भारतीय वायुयान अधिनियम की धारा 25, 26 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

अमृतसर में सीमा पार से नशा तस्करी मॉड्यूल से जुड़े चार व्यक्ति 5 किलो हेरोइन सहित गिरफ्तार

चंडीगढ़/अमृतसर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शानुसार पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर सीमा पार से नशा तस्करी करने वाले एक मॉड्यूल का पदार्फाश किया है और उनके कब्जे से 5 किलो हेरोइन बरामद की है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सुखचैन सिंह उर्फ मनी, नवदीप सिंह, सुखपाल सिंह और आकाशदीप सिंह के रूप में हुई है। ये सभी निवासी गांव दाओके, अमृतसर के हैं। हेरोइन की खेप बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने उनके दो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी02इयू7751 और पीबी02डीवाइ9343) भी जब्त कर लिए हैं, जिनका उपयोग नशीले पदार्थों की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार मुलजिम सीधे तौर पर पाकिस्तान आधारित तस्कर से जुड़े हुए थे, जो अपने गांव दाओके के आसपास सीमा पार से ड्रोन के जरिए हेरोइन की खेप पहुंचा रहे थे ताकि राज्य में आगे इसकी सप्लाई की जा सके। इस कार्रवाई के संबंध में विवरण साझा करते हुए उन्होंने बताया कि सीआई अमृतसर को एक विशेष सूचना मिली थी कि मुलजिम सुखचैन सिंह उर्फ मनी अपने साथियों की मदद से राज्य में नशा तस्करी का मॉड्यूल चला रहा है और उन्हें हाल ही में ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से हेरोइन की एक बड़ी खेप मिली है, जिसे वे अमृतसर के गांव काला घनूपुर के नजदीक सदा गांव में दूसरी पार्टियों को पहुंचाने जा रहे थे। उन्होंने कहा कि तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने सदा गांव अमृतसर के नजदीक बाईपास रोड पर नाका लगाया और चारों संदिग्धों को रोक लिया तथा उनके कब्जे से हेरोइन की खेप बरामद की।

स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों की जायज मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा: मोहिंदर भगत

चंडीगढ़। पंजाब के स्वतंत्रता सेनानी मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने आज पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में आजादी सेनानियों के परिवार के सदस्यों और फ्रीडम फाइटर्स उत्तराधिकारी संस्था पंजाब के प्रतिनिधियों के साथ विशेष बैठक की। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी विभाग के विशेष मुख्य सचिव राजी पी. श्रीवास्तव और संयुक्त सचिव राजपाल सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक के दौरान मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने स्वतंत्रता सेनानियों के पारिवारिक सदस्यों और संस्था के प्रतिनिधियों की मांगों को बहुत ध्यान से सुना और भरोसा दिलाया कि उनकी हर जायज मांग को सरकार द्वारा प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा। मंत्री श्री भगत ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। श्री भगत ने कहा कि स्वतंत्रता संघर्ष में बड़ी कुर्बानियां देकर देश को आजाद करवाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और उनके पारिवारिक सदस्यों का सम्मान करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जो मांगें विभागीय स्तर पर हल हो सकती हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द निपटाया जाएगा और जो मांगें मुख्यमंत्री या वित्त विभाग के स्तर पर हल होनी हैं, उन पर भी विशेष रूप से विचार किया जाएगा।

निवेश से रोजगार तक, भगवंत मान सरकार ने निवेशक सम्मेलन 2026 से पहले हजारों युवाओं के लिए रोजगार का मार्ग प्रशस्त किया

भगवंत सिंह मान सरकार ने पंजाब के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलने के लिए निवेश अभियान को और तेज किया

सिटी दर्पण संवाददाता
मुंबई

मुंबई निवेश रोड शो के दूसरे दिन भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 के हिस्से के रूप में राज्य के युवाओं के लिए पूंजी निवेश को नौकरियों में बदलने पर ध्यान केंद्रित करते हुए निवेश अभियान को और तेज कर दिया। उच्च-स्तरीय बैठकों से लेकर वित्तीय विचार-विमर्श करते हुये पंजाब सरकार ने लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को और मजबूत करने तथा उन्हें बड़े उद्यमों में बदलने योग्य बनाने से लेकर विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और उभरते क्षेत्रों में वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने तक अनेक संभावनाओं की श्रृंखला प्रस्तुत की। परिणाम-उन्मुख बैठकों की यह श्रृंखला कॉर्पोरेटों और वित्तीय संस्थाओं के साथ साझेदारी को और गहरा करने, औद्योगिक क्षमताओं के विस्तार के साथ-साथ टिकाऊ, कुशल और दीर्घकालिक रोजगार संबंधी रणनीति को दशार्ती है, जो पंजाब को युवा-नेतृत्व वाले औद्योगिक विकास और उद्यमिता-आधारित आर्थिक विस्तार के लिए केंद्र के रूप में स्थापित कर रही है। प्रतिनिधिमंडल ने दिन की शुरूआत सनातन टेक्सटाइल और महिंद्रा ग्रुप सहित प्रमुख उद्योग समूहों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकों से की, जहाँ टेक्सटाइल, ऑटोमोटिव, कृषि उपकरण, रक्षा विनिर्माण और सप्लाई-चेन एकीकरण में संभावित अवसरों पर केंद्रित चर्चा की गई। इन बैठकों के दौरान नए निवेशों के साथ-साथ पंजाब में मौजूदा कार्यों के विस्तार, राज्य के कुशल कार्यबल, औद्योगिक आधारभूत ढांचे और नीतिगत स्थिरता का लाभ उठाने की संभावनाओं की पड़ताल भी की गई। इस विशेष दिन का मुख्य आकर्षण सीएक्सओ राउंडटेबल बैठक थी, जिसमें प्रमुख प्राइवेट इक्विटी फर्मों और वित्तीय संस्थाओं ने भाग लिया। यह बैठक पंजाब के एमएसएमई को बड़े और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्यमों में बदलने के लिए वित्तीय संभावनाओं, पूंजी निवेश और संरचनात्मक सहायता पर विचार-विमर्श के लिए बुलाई गई थी। इस राउंडटेबल में बेयरिंग प्राइवेट इक्विटी इंडिया इनवेस्टमेंट मैनेजर्स एलएलपी, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, एवेंडस वेल्थ मैनेजमेंट, नियो वेल्थ एंड एसेट मैनेजमेंट, ओकेएस एसेट मैनेजमेंट, अल्वारेज एंड मार्सल और थिंक लॉ की वरिष्ठ नेतृत्व टीम ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान दीर्घकालिक निवेश, प्रशासनिक सहायता और रणनीतिक बाजार पहुंच के माध्यम से एमएसएमई को बड़े एंटरप्राइज में बदलने पर चर्चाएं की गईं ताकि पंजाब को एमएसएमई-नेतृत्व वाले औद्योगिक विकास के लिए पसंदीदा स्थान के रूप में स्थापित किया जा सके। गोलमेज बैठक के दौरान इन्वेस्ट पंजाब के सीईओ ने पंजाब के सुधार-संचालित शासन ढांचे, फास्टट्रैक पंजाब सिंगल-विंडो सिस्टम और समयबद्ध मंजूरियों के बारे में विस्तार से प्रस्तुति दी, जबकि निवेश प्रोत्साहन के प्रशासनिक सचिव ने नीतिगत निश्चितता और निवेशक सुविधा के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। यह सत्र इंटरैक्टिव ओपन हाउस और नेटवर्किंग लंच के साथ समाप्त हुआ, जिससे निवेशकों और पंजाब सरकार के प्रतिनिधिमंडल के बीच सीधी बातचीत संभव हुई। गोलमेज बैठक के बाद, प्रतिनिधिमंडल ने यूएई-आधारित डीपी वर्ल्ड के साथ बैठकों में भाग लिया ताकि पंजाब की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के उद्देश्य से लॉजिस्टिक्स, रेल-लिंक्ड इनलैंड टर्मिनलों और मल्टीमॉडल आधारभूत ढांचे पर चर्चा की जा सके। इसके बाद एवेन्यू सुपरमार्ट्स, यूपीएल लिमिटेड और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के साथ बातचीत की गई, जिसमें संगठित रिटेल, कृषि-इनपुट्स, खाद्य प्रणालियां और खेल शिक्षा एवं आधारभूत ढांचे जैसे क्षेत्रों पर चर्चा हुई। इन भागीदारियों ने विनिर्माण, सेवाएं, कृषि-व्यापार, लॉजिस्टिक्स और उभरते उद्योगों में पंजाब के विविध क्षेत्रीय अवसरों को उजागर किया। इन्वेस्ट इंडिया के एक प्रतिनिधि ने भी पंजाब सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ दिन के कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, जिससे राज्य में घरेलू और वैश्विक स्तर के निवेश को आकर्षित करने तथा पंजाब की निवेश पहुँच को राष्ट्रीय निवेश प्रोत्साहन पहलों की तर्ज पर ले जाने में मजबूती मिलेगी। मुंबई निवेश रोड शो संस्थागत निवेशकों, उद्योग के अग्रणी और वित्तीय भागीदारों को शामिल करने के लिए मजबूत मंच के रूप में कार्य करता रहेगा और प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 में उनकी भागीदारी के लिए औपचारिक रूप से निमंत्रण दिया जाएगा। इन कार्यक्रमों ने एक स्थिर और निवेशक-अनुकूल पर्यावरण व्यवस्था के माध्यम से व्यवसायों को बढ़ाने, अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करने और राष्ट्रीय व वैश्विक बाजारों के साथ एकीकरण के लिए पंजाब की तैयारी को प्रस्तुत किया।

ग्रीस में कोस्ट गार्ड के जहाज की प्रवासी नाव से टक्कर में 15 लोगों की मौत

मृतकों में 11 पुरुष और चार महिलाएं शामिल, नाव में लगभग 35 लोग सवार थे

एजेंसी (हि.स.)

एथेंस

फोटोः हि.स.

ग्रीस और तुर्किये के मध्य स्थित एजियन सागर में चियोस द्वीप के तट पर ग्रीक कोस्ट गार्ड के एक गश्ती जहाज एवं प्रवासियों और शरणार्थियों को ले जा रही एक नाव के बीच टक्कर में 15 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 14 के शव समुद्र से बरामद किए गए।

ग्रीक नेशनल ब्रॉडकास्टर ईआरटी की रिपोर्ट के अनुसार, बचाए गए 24 प्रवासियों में से एक की पास के अस्पताल में चोटों के कारण मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में 11 पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं।

यह दुर्घटना स्थानीय समय के अनुसार रात लगभग 9:00 बजे हुई। घायलों में कई बच्चे और दो गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। दोनों महिलाएं चोट सह नहीं पाईं और कथित तौर पर गर्भपात हो गया। नेशनल इमरजेंसी एड सेंटर के अनुसार, बचाए गए ज्यादातर लोगों को मामूली चोटें आईं। कुछ लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। खोज और बचाव अभियान जारी है। इस अभियान में चार कोस्ट गार्ड जहाज, स्वयंसेवी गोताखोरों को ले जा रही एक निजी नाव और एक हेलेनिक वायु सेना का हेलीकॉप्टर शामिल हैं।

ग्रीक के सरकारी रेडियो ईपीटी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, घायलों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। रात लगभग 12 बजे घायलों में से एक महिला को चियोस अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में दस बच्चे हैं। इसी बीच, दो कोस्ट गार्ड अधिकारी भी घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। ओइनौसेस के मेयर जियोर्गोस डैनियल ने कहा कि गश्ती जहाज ओइनौसेस में था। उसी ने प्रवासी नाव को देखा।

ग्रीक के समाचार आउटलेट प्रोटोथेमा की रिपोर्ट के अनुसार, चियोस का यह वाकया कोस्ट गार्ड और प्रवासी तस्करों के बीच हुई टक्कर का नतीजा है। कोस्ट गार्ड के गश्ती जहाज पर छोटी नाव पर सवार तस्करों ने ही पैंतरेबाजी करते हुए टक्कर मारी। इससे अफरातफरी मच गई। कोस्ट गार्ड की कार्रवाई में कई प्रवासी मारे गए। कई घायल हो गए। यह लोग मर्सिनिडी इलाके के बताए गए हैं। इस दौरान गोलीबारी की भी खबरें हैं। मगर इनकी पुष्टि नहीं हो सकी है। कहा जा रहा है कि नाव में लगभग 35 लोग सवार थे।

स्टॉक मार्केट में एक्रेशन न्यूट्रावेद की शानदार शुरूआत

मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

आयुर्वेदिक और न्यूट्रास्यूटिकल उत्पाद बनाने वाली कंपनी ऐक्रेशन न्यूट्रावेद के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार उछाल के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 129 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 48.06 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 191 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का जोर बन जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर उछल कर 200.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 55.43 प्रतिशत का फायदा हो गया। ऐक्रेशन न्यूट्रावेद का 25 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 19.20 लाख रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मैन्युफैक्चरिंग मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 28 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 82 लाख रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 2.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 2.33 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी होती रही। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 3.07 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5.20 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 16.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 14.07 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज का बोझ भी बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 1.97 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.17 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 3.86 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 4.43 करोड़ रुपये हो गया था। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 72 लाख रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 4.86 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही के अंत तक ये 2.95 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 59 लाख रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 1.21 करोड़ रुपये हो गया।

मणिपुर में एक उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

इंफाल

मणिपुर में पुलिस एवं सुरक्षा बल उग्रवादियों एवं अवैध हथियारों के विरूद्ध लगातार अभियान जारी रखे हुए हैं। इसी कड़ी में अलग-अलग अभियानों में एक उग्रवादी को जहां गिरफ्तार किया गया, वहीं भारी मात्रा में हथियार बरामद किया गया है।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा बुधवार को दी गयी जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के एक एक्टिव कैडर, मीसनम कोरोहनबा लुवांग उर्फ कोरो (45) को इंफाल पश्चिम जिले के इंफाल थानांतर्गत कीशमथोंग टॉप लीराक में उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लमसांग थानांतर्गत लंबाल अवांग लीकाई से, अन्य चीजों के अलावा भारी मात्रा में हथियार बरामद किया गया है। बरामद हथियारों में एक स्थानीय निर्मित सिंगल बैरल बंदूक, एक 9 एमएम की पिस्तौल, मैगजीन के साथ छह अन्य पिस्तौलें, 64 अलग-अलग कैलिबर के कारतूस, तीन एसएलआर के खाली कारतूस, एक नंबर-36 एचई ग्रेनेड, एक डेटोनेटर, तीन ट्यूब लॉन्चिंग डिवाइस, 10 आर्मिंग रिंग, एक मैगजीन, चार लोहे की प्लेटें, दो छलावरण हेलमेट, तीन बीपी वेस्ट और एक गोला-बारूद कंटेनर बॉक्स शामिल हैं।

विमानवाहक पोत की ओर बढ़ रहा था ईरानी ड्रोन, अमेरिका ने हवा में ही किया नष्ट

वॉशिंगटन/मध्य पूर्व। अमेरिकी सेना ने अरब सागर में अपने विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन के करीब पहुंचे एक ईरानी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार ड्रोन आक्रामक तरीके से पोत की ओर बढ़ रहा था और उसका उद्देश्य स्पष्ट नहीं था, जिसके बाद आत्मरक्षा में कार्रवाई की गई। नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने बताया कि अब्राहम लिंकन से उड़ान भरने वाले एफ-35सी लड़ाकू विमान ने ड्रोन को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी अमेरिकी सैनिक को नुकसान नहीं पहुंचा और न ही सैन्य उपकरणों को क्षति हुई। यह घटना ऐसे समय हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर कूटनीतिक बातचीत की कोशिशें चल रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में संकेत दिया था कि समझौता न होने की स्थिति में हालात बिगड़ सकते हैं। इसी बीच, सेंट्रल कमांड ने एक और घटना का जिक्र करते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े नौकाओं और एक ड्रोन ने अमेरिकी झंडे वाले एक व्यापारी जहाज के करीब तेज रफ्तार से पहुंचकर उसे रोकने और कब्जे में लेने की धमकी दी।

उधमपुर में गुफा में छुपे आतंकियों पर सुरक्षा बल हमले की तैयारी में

एजेंसी (हि.स.)

उधमपुर

फोटोः हि.स.

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक प्राकृतिक गुफा में छुपे जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो आतंकवादियों पर सुरक्षा बल अंतिम हमले की तैयारी कर रहे हैं। रात भर किसी भी प्रकार की गोलीबारी की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार शाम करीब चार बजे रामनगर के जाफर वन क्षेत्र में सेना, पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त तलाशी टीमों ने गुफा के अंदर आतंकवादियों का पता लगाया। इसके बाद एक घंटे से अधिक समय तक भीषण गोलीबारी हुई। मुठभेड़ में एक आतंकवादी घायल हो गया लेकिन वह अपने साथी के साथ गुफा में घुसने में सफल रहा। अधिकारियों ने बताया कि शाम करीब 7:30 बजे दोनों ने अंधेरे का फायदा उठाकर गोलियां चलाते हुए भागने की कोशिश की सुरक्षा बलों की कार्रवाई ने उन्हें दोबारा गुफा में घुसने पर मजबूर कर दिया। पैराट्रूपर्स और डॉग स्क्वाड सहित सेना की अतिरिक्त टुकड़ियों को घेराबंदी को और मजबूत करने के लिए तुरंत भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि रात भर कोई गोलीबारी नहीं हुई और सुरक्षा बलों ने ड्रोन की मदद से इलाके, खासकर गुफा के आसपास कड़ी निगरानी रखी।

उन्होंने कहा कि गुफा में छुपे आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए अंतिम हमला करने की तैयारी चल रही है।

संक्षिप्त-समाचार

अमेरिका में फेडरल जूरी ने भारतीय युवक को फ्लाइट में यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी ठहराया

वाशिंगटन। अमेरिका में एक फेडरल जूरी ने भारतीय युवक को फ्लाइट में एक महिला के साथ किए गए यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी ठहराया है। इस युवक को सात मई को सजा सुनाई जाएगी। अमेरिकी कानून के अनुसार दोषी को दो साल तक की सजा हो सकती है। आरोप यह भी है कि दोषी अमेरिका में बिना वैध नागरिकता के रह रहा है। यूएस अटॉर्नी ऑफिस की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वर्जीनिया के एलेक्जेंड्रिया में 29 जनवरी को फेडरल जूरी ने भारतीय नागरिक 38 वर्षीय वरुण अरोड़ा फ्लाइट में यौन उत्पीड़न और हमले के आरोप में दोषी ठहराया। कोर्ट रिकॉर्ड और ट्रायल में पेश किए गए सबूतों के अनुसार, 29 अगस्त, 2024 को रोड आइलैंड टीएफ ग्रीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रोनाल्ड रीगन वाशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट जाने वाली फ्लाइट में लैंडिंग के समय एक महिला यात्री की नींद खुली। उन्होंने देखा कि वरुण अरोड़ा उसे गलत तरीके से छू रहा है। अरोड़ा ने स्लीप मास्क पहना हुआ था और सोने का नाटक कर रहा था। वह पीड़ित के बार-बार हाथ हटाने के बावजूद हरकत करता रहा। विज्ञप्ति के अनुसार, अरोड़ा अमेरिका में बिना वैध नागरिकता (कानूनी स्टेटस) के रह रहा है। सात मई को सजा सुनाए जाने पर उसे दो साल तक की जेल हो सकती है। एक फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट का जज अमेरिकी कानून और अन्य बातों पर विचार करने के बाद अपने विवेक के आधार पर सजा की अवधि तय करेगा। इस मामले की जांच संघीय जांच ब्यूरो के वाशिंगटन स्थित क्षेत्रीय कार्यालय ने की। इस मामले की पैरवी स्पेशल असिस्टेंट यूएस अटॉर्नी मैडिसन मुम्मा और असिस्टेंट यूएस.अटॉर्नी रसेल एल. कार्लबर्ग कर रहे हैं।

भारत ने चुनाव में मदद के लिए 223 और वाहन नेपाल भिजवाए

काठमांडू। भारत ने नेपाल में पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव के मद्देनजर वाहनों का तीसरी खेप भिजवाई है। इस खेप में 223 वाहन शामिल हैं। यह खेप भारतीय दूतावास के माध्यम से भेजी गई। भारतीय दूतावास के अनुसार, तीसरी खेप में 150 डबल कैब पिकअप महिंद्रा स्कॉर्पियो और 73 डबल कैब पिकअप महिंद्रा बोलेरो शामिल हैं। इनको नेपाल लाया जा रहा है। इससे पहले खेप में 61 वाहन लाए गए थे, जिन्हें भारतीय दूतावास ने 20 जनवरी को ही नेपाल सरकार को हस्तांतरित कर दिया था। दूसरी खेप में 190 वाहनों को 27 जनवरी को हस्तांतरित किया गया। बताया गया है कि इस बार के चुनाव में भारत छोटे-बड़े मिलाकर करीब 600 वाहन नेपाल को उपलब्ध कराएगा।

नेपाल प्रतिनिधि सभा के समानुपातिक सूची में महिला उम्मीदवारों की संख्या पुरुष से अधिक

काठमांडू। नेपाली संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के आगामी चुनाव के लिए समानुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) प्रणाली के तहत देश के राजनीतिक दलों ने अपनी बंद सूची निर्वाचन आयोग को दे दी है, जिसमें महिला उम्मीदवारों की संख्या पुरुषों से अधिक है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विवरण के अनुसार, अंतिम पीआर बंद सूची में कुल 3,135 उम्मीदवारों को शामिल किया गया है। इनमें 1,772 महिलाएं और 1,363 पुरुष हैं। ये सूचियां 63 राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों का प्रतिनिधित्व करती हैं। आयोग ने प्रतिनिधि सभा निर्वाचन ऐन, 2016 की धारा 29 तथा संबंधित निर्वाचन नियमावली के नियम 16(2) के अनुरूप मंगलवार को अंतिम सूची प्रकाशित की। इस बीच, निर्वाचन आयोग ने विभिन्न कारणों से अयोग्य पाए जाने पर मूल बंद सूची से 76 उम्मीदवारों के नाम हटा दिए हैं। इनमें क्रेडिट सूचना केंद्र द्वारा ब्लैकलिस्ट में डाले गए 21 उम्मीदवार, प्रांतीय सभा के समानुपातिक निर्वाचन प्रणाली की सूची में भी शामिल 25 व्यक्ति, तथा निर्धारित जमानत राशि नहीं भरने वाले 10 उम्मीदवार शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पिछड़े क्षेत्र की श्रेणी में सूचीबद्ध होने के बावजूद मतदाता के रूप में पंजीकृत न होने के कारण एक उम्मीदवार का नाम हटाया गया, जबकि संबंधित राजनीतिक दलों के अनुरोध पर 10 अन्य उम्मीदवारों के नाम भी वापस ले लिए गए हैं।

सरार्फा बाजार में चमका सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सरार्फा बाजार में सोने के भाव में आज दिन के पहले सत्र के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी आज सांकेतिक कमजोरी के साथ कारोबार कर रही है। कीमत में तेजी आने के कारण सोना आज 720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज एक सौ रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक कमजोरी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सरार्फा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,53,940 रुपये से लेकर 1,54,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,110 रुपये से लेकर 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरार्फा बाजार में आज 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही हैं। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नेपाल में चुनावी हलचल बढ़ी, सेना ने संभाला मोर्चा

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल में पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा के सदस्यों के चुनाव के लिए हलचल तेज हो गई। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर आज से सेना ने भी मोर्चा संभाल लिया। नेपाली सेना के समन्वय में निष्पक्ष चुनाव के लिए चारों सुरक्षा निकायों की तैनाती की जा रही है। नेपाली सेना, नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल और राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग को एकीकृत रूप से परिचालित किया जा रहा है। एकीकृत सुरक्षा योजना के अनुसार, चुनावी प्रयोजन के लिए भर्ती किए गए निर्वाचन पुलिस को भी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात किया जाएगा।

नेपाल पुलिस और निर्वाचन पुलिस मतदान स्थलों की भीतरी सुरक्षा करेगी। दूसरे स्तर की सुरक्षा घेराबंदी की जिम्मेदारी सशस्त्र प्रहरी बल की होगी। यह बल नेपाली सेना और नेपाल पुलिस के साथ समन्वय में कार्य करेगा। नेपाली सेना सुरक्षा घेराबंदी के बाहरी स्तर पर रहकर महत्वपूर्ण सुरक्षा जिम्मेदारी संभालेगी। नेपाली सेना आज से सभी 165 निर्वाचन क्षेत्रों में मोर्चा संभाल लेगी। राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने पिछले साल 27 नवंबर को प्रधानमंत्री की सिफारिश और मंत्रिपरिषद के निर्णय पर निर्वाचन सुरक्षा व्यवस्था के लिए नेपाली सेना की तैनाती को स्वीकृति प्रदान की थी। सेना के प्रवक्ता एवं सहायक रथी राजाराम बस्नेत ने बताया कि चुनाव सुरक्षा को केंद्र में रखते हुए आवश्यकता अनुसार सेना के बेस स्थापित किए जाएंगे और जरूरत के आधार पर संयुक्त गश्त भी की जाएगी। प्रवक्ता के अनुसार 80 हजार सैनिक चुनाव ड्यूटी में तैनात रहेंगे। इस दौरान हवाई अड्डों, कारागारों सहित महत्वपूर्ण संरचनाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी नेपाली सेना संभालेगी। सेना के जिम्मे मतपत्रों की छपाई, मतपत्रों का परिवहन, मतदान स्थलों की सुरक्षा, मतपेटिकाओं का परिवहन तथा मतगणना स्थल की सुरक्षा शामिल है। इस बार कुल 3,406 उम्मीदवार मैदान में हैं। 18 जनवरी से चुनाव आचार संहिता लागू हो चुकी है।

देशभर में 10,967 मतदान स्थलों पर 23,112 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इसी तरह नेपाल पुलिस की ओर से चुनाव में 77 हजार जवानों की तैनाती की जाएगी। मौजूदा पुलिस बल निर्वाचन प्रबंधन के लिए अपर्याप्त होने के कारण एक लाख 33 हजार निर्वाचन पुलिस की भर्ती की गई है।

आर्कटिक में सुरक्षा बढ़ाने को नाटो की नई पहल, आर्कटिक सेंट्रीमिशन की तैयारी शुरू

बर्लिन। नाटो ने आर्कटिक क्षेत्र में सुरक्षा मजबूत करने के लिए नए सैन्य मिशन की तैयारी शुरू करने की घोषणा की है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच हाल के महीनों में तनाव देखने को मिला है। नाटो के सुप्रीम हेडक्वार्टर्स एलाइड पावर्स यूरोप (शेप) के प्रवक्ता मार्टिन ओडॉनेल ने बताया कि आर्कटिक सेंट्री नाम से एक एनहैंस्ड विजिलेंस एक्टिविटी की योजना पर काम चल रहा है। उनका कहना है कि यह पहल आर्कटिक और हाई नॉर्थ क्षेत्र में नाटो की रणनीतिक मौजूदगी और सतर्कता को और मजबूत करेगी। हालांकि, मिशन के स्वरूप और तैनाती से जुड़ी विस्तृत जानकारी फिलहाल साझा नहीं की गई है। आर्कटिक को लेकर चर्चा तब तेज हुई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड की सुरक्षा को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए इस क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव बढ़ाने की बात कही थी। दिसंबर में उनके बयानों से ट्रांसअटलांटिक गठबंधन में असहजता बढ़ी थी। बाद में उन्होंने नाटो प्रमुख मार्क रुटे के साथ एक फ्रेमवर्क समझौते का जिक्र करते हुए अपने रुख में नरमी दिखाई। नाटो का कहना है कि आर्कटिक में रूस और चीन की बढ़ती सक्रियता भी सुरक्षा दृष्टि से चिंता का विषय है, जिसके चलते क्षेत्र में सामूहिक उपस्थिति बढ़ाना जरूरी हो गया है।

अमित मालवीय के एक्स पोस्ट से सियासी हलचल, ममता बनर्जी पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

फोटोः हि.स.

भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित मालवीय ने बुधवार तड़के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक तीखा पोस्ट साझा करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर राजनीतिक आरोप लगाए हैं। अपने पोस्ट में मालवीय ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री की मौजूदा बेचैनी और राजनीतिक गतिविधियों के पीछे गहरी हताशा छिपी हुई है। अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के लगातार चुनावी जनादेश अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या मतदाताओं के समर्थन पर टिके रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रशासनिक अधिकारियों– डीएम, एसडीओ और बीएलओ–की मदद से मतदाता सूचियों में फर्जी और अयोग्य नाम जोड़े गए, जिससे एक 'संरक्षित वोट इकोसिस्टम' तैयार किया गया।

पोस्ट के अनुसार, वर्तमान में चल रही एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया इस कथित वोट संरचना को तोड़ने का खतरा पैदा कर रही है। मालवीय ने कहा कि यही कारण है कि ममता बनर्जी पिछले दो दिनों से दिल्ली में डेरा डालकर राजनीतिक नाटक और 'निर्मित आक्रोश' के जरिए विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। अमित मालवीय ने सवाल उठाया कि जब देश के अन्य 11 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश–जिनमें विपक्ष शासित तमिलनाडु भी शामिल है–इस प्रक्रिया को लेकर विरोध नहीं कर रहे हैं, तो केवल तृणमूल कांग्रेस ही क्यों इसका विरोध कर रही है। उनके अनुसार, इसका उत्तर स्वयं स्पष्ट है।

पत्तागोभी के नीचे छिपाकर ले जाया जा रहा एक करोड़ रुपये का गांजा जब्त, पांच हिरासत में

एजेंसी (हि.स.)

भुवनेश्वर

नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ओडिशा के मयूरभंज जिले में पत्तागोभी की खेप के नीचे छिपाकर ले जाई जा रही गांजा की बड़ी खेप जब्त की है। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत 1 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। विशेष खुफिया सूचना के आधार पर एनसीबी की विशेष टीम ने एक पिकअप वाहन की निगरानी शुरू की, जो सब्जियों की आड़ में गांजा की तस्करी कर रहा था। जांच में सामने आया कि पीक सब्जी परिवहन समय के दौरान शक से बचने के लिए गांजा को पत्तागोभी की पेटियों के नीचे छिपाया गया था। खेप की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए एक स्कॉर्पियो वाहन भी एस्कॉर्ट के रूप में साथ चल रहा था। रातभर निगरानी के बाद एनसीबी टीम ने कप्तिपदा थाना क्षेत्र अंतर्गत नुआसाही भारदा चौक के पास दोनों वाहनों को रोका। तलाशी के दौरान पिकअप वाहन से पत्तागोभी के नीचे छिपाकर रखी गई गांजा की 23 बोरियां बरामद की गईं। एस्कॉर्ट वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, गांजा की यह खेप केओंझर जिले से लाई जा रही थी और कप्तिपदा के रास्ते बारीपदा ले जाई जा रही थी। मामले में पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि तस्करी नेटवर्क से जुड़े दो अन्य आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे।

मौसम

साधना टॉप पर रात भर हुई भारी बर्फबारी

फंसे 35 वाहनों को निकाला गया सुरक्षित

एजेंसी (हि.स.)

कुपवाड़ा

फोटोः हि.स.

कुपवाड़ा जिला प्रशासन ने भारी बर्फबारी के कारण फंसे कम से कम 35 वाहनों को सफलतापूर्वक सुरक्षित निकाल लिया। एक अधिकारी के अनुसार, ₹बुधवार को कुपवाड़ा जिला प्रशासन ने सदना टॉप पर भारी बर्फबारी के बाद फंसे दर्जनों वाहनों को सुरक्षित निकाला।₹ अधिकारियों ने बताया कि प्रतिकूल मौसम और कम दृश्यता के बावजूद समन्वित टीमों ने देर रात तक काम किया और भारी बर्फबारी के कारण फंसे वाहनों को निकालने के लिए सुबह तक काम जारी रखा। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के दौरान कम से कम 35 फंसे वाहनों को सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि बचाव कार्य युद्धस्तर पर किया गया जिसमें बर्फ हटाने वाली मशीनरी और फील्ड टीमों को तैनात किया गया ताकि यात्रियों को और अधिक परेशानी न हो और किसी भी चिकित्सा या मौसम संबंधी आपात स्थिति से बचा जा सके। अधिकारियों ने कहा कि संवेदनशील इलाकों को खाली कराने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि ताजा हिमपात के बाद सदना टॉप पर स्थिति तेजी से बिगड़ गई जिससे यातायात बाधित हो गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन के समय पर हस्तक्षेप से यातायात आंशिक रूप से बहाल हो सका और स्थिति को बिगड़ने से रोका जा सका। प्रशासन ने यात्रियों को उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों की ओर अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी और मौसम की स्थिति सामान्य होने तक यातायात निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया। अधिकारियों ने कहा कि मौसम की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और सड़क सुरक्षा और जनसुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दूसरा खिताब जीतने उतरेंगी आरसीबी हार के मिथक को तोड़ेगी दिल्ली कैपिटल्स

डब्ल्यूपीएल का फाइनल आज, दोनों टीमें खिताब जीतने में नहीं छोड़ेगी कोई कसर

एजेंसी (हि.स.)

वडोदरा

लीग चरण में खेल के प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके उत्साह से लबरेज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम गुरुवार को यहां होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल में दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेगी जबकि पिछले तीन बार की उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स की टीम खिताबी मुकाबले में हार के मिथक को तोड़ने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

इन दोनों टीम के हाल के प्रदर्शन को देखते हुए यह निश्चित है कि फाइनल में रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

पूर्व चैंपियन आरसीबी ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है और मुश्किल परिस्थितियों में वापसी करने की अपनी क्षमता भी साबित की है। इसी जुझारूपन

फोटोः हि.स.

की बदौलत उसने लगातार पांच जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत करते हुए इतिहास रचा। वह डब्ल्यूपीएल में ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई। इस सत्र में आरसीबी की किसी न किसी खिलाड़ी ने जरूरत के समय अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसे हराना किसी भी टीम के लिए चुनौती बन गई है। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी दूसरा खिताब जीतकर मुंबई इंडियंस की बराबरी करना चाहेगी। पिछले दो मैच में उसने शानदार प्रदर्शन करके अच्छी लय के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। उसने यूपी वॉरियर्स को पिछले मैच में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ग्रेस हैरिस की 75 रन की तूफानी पारी से आठ विकेट से हराया जबकि गुजरात जायंट्स के खिलाफ गौतमी नाइक की 73 रन की पारी की मदद से 2024 की चैंपियन टीम ने 61 रन से जीत दर्ज की थी।

आरसीबी की चिंता इस सत्र में उसके कुछ बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। इनमें मंधाना, हैरिस, जॉर्जिया वोल और ऋचा घोष भी शामिल हैं लेकिन कुछ अवसरों पर उनका योगदान निर्णायक साबित हुआ है। वहीं तेज गेंदबाज नादिन डी क्लर्क और सायली सतघरे ने अहम मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया है। दक्षिण अफ्रीका की नादिन डी क्लर्क ने इस सत्र में आठ मैचों में 15 विकेट लिए हैं जिनमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 22 रन देकर चार विकेट है। फाइनल में उनकी भूमिका निर्णायक साबित हो सकती हैं। श्रेयांका पाटिल टीम को स्पिन विभाग में मजबूती प्रदान करती हैं, जिसका प्रमाण गुजरात जायंट्स के खिलाफ मिली जीत में देखने को मिला, जिसमें उन्होंने पांच विकेट लिए थे। मंधाना की टीम की खासियत एक संतुलित और महत्वपूर्ण क्षणों में शानदार प्रदर्शन करना है। वह उम्मीद कर रही होंगी कि कुछ और खिलाड़ी इस खिताबी मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करके दिल्ली कैपिटल्स की चुनौती को ध्वस्त करने में योगदान देंगे। दिल्ली कैपिटल्स इस बार नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वह फाइनल में पिछले तीन टूर्नामेंट में उपविजेता रहने के बाद पहली जीत के लिए बेताब हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप पर पूरा भरोसा जताया है, जिसमें तेज गेंदबाज चिनले हेनरी और नंदनी शर्मा ने नई गेंद से शानदार प्रदर्शन किया है।

टीम इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्सः जेमिमा रोड्रिग्स (कप्तान), तानिया भाटिया, (विकेटकीपर), लुसी हैमिल्टन, चिनेले हेनरी, मारिजान काप, अलाना किंग, लिजेल ली, मिन्नू मणि, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, शैफाली वर्मा, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, प्रगति सिंह, एडडला स्रुजाना, लौरा वोलवार्ट।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः स्मृति मंधाना (कप्तान), लॉरेन बेल, नादिन डी क्लर्क, ऋचा घोष (विकेटकीपर), ग्रेस हैरिस, दयालन हेमलता, गौतमी नाइक, श्रेयांका पाटिल, कुमार प्रथ्योशा, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, सयाली सतघरे, लिन्से स्मिथ, पूजा वस्त्राकर, जॉर्जिया वोल, राधा यादव।

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

यामल और अराउहो के गोल से बार्सिलोना सेमीफाइनल में, अल्बासेटे को 2-1 से हराया

एजेंसी (हि.स.)

अल्बासेटे, (स्पेन)

गत विजेता बार्सिलोना ने कोपा डेल रे में अल्बासेटे के ह्यजायंट-किलिंगह्व अभियान पर विराम लगाते हुए मंगलवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उसे 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई। हालांकि दूसरे डिवीजन की टीम अल्बासेटे ने अंत में जोरदार वापसी की कोशिश कर बार्सिलोना को कड़ी चुनौती दी।

बार्सिलोना के लिए लामिन यामल ने 39वें मिनट में शानदार गोल कर स्कोरिंग की शुरूआत की। इसके बाद कप्तान रोनाल्ड अराउहो ने दूसरे हाफ में कॉर्नर से हेडर लगाकर टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके साथ ही बार्सिलोना पिछले साल जीती गई ट्रॉफी का बचाव करने की दिशा में आगे बढ़ गया। मैच के अंतिम चरण में अल्बासेटे ने जोरदार दबाव बनाया। 87वें मिनट में जावियर मोरेनो ने फ्री-किक पर डाइविंग हेडर से गोल कर अंतर घटा दिया। स्टॉपेज टाइम में अल्बासेटे का एक और प्रयास बार्सिलोना की गोल लाइन से क्लीयर कर दिया गया, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया।

फोटोः हि.स.

स्पेनिश सेकेंड डिवीजन में 12वें स्थान पर काबिज अल्बासेटे ने इससे पहले कोपा डेल रे में सेल्टा विगो और रियल मैड्रिड जैसी बड़ी टीमों को बाहर कर सनसनी फैलाई थी। क्वार्टरफाइनल में भी उसने दमदार खेल दिखाया, लेकिन बार्सिलोना की गुणवत्ता अंततः भारी पड़ी। पहले हाफ में बार्सिलोना के मार्कस रैशफोर्ड ने गेंद छीनी और फ्रेंकी डी जोंग के जरिए यामल को मौका मिला, जिसे युवा स्टार ने बाएं पैर से बेहतरीन फिनिश दिया। रैशफोर्ड और दानी ओल्मो को भी गोल के मौके मिले, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। दूसरे हाफ में अराउहो ने दिसंबर में मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक के बाद अपनी पहली शुरूआत में गोल कर खास वापसी की। अंतिम मिनटों में फेरान टोरेस का गोल ऑफ-साइड करार दिया गया, जिससे स्कोर 2-1 ही रहा। अन्य क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में बुधवार को डेपोर्टिवो अलावेस बनाम रियल सोसिएदाद और वालेंसिया बनाम एथलेटिक बिलबाओ खेला जाएगा, जबकि गुरुवार को एटलेटिको मैड्रिड का सामना रियल बेटिस से होगा। बार्सिलोना ने पिछले साल सेविला में खेले गए फाइनल में अतिरिक्त समय में रियल मैड्रिड को 3-2 से हराकर खिताब जीता था।

श्रीलंका का सफाया कर इंग्लैंड ने अपनी तैयारी का शानदार सबूत पेश किया

एजेंसी (हि.स.)

पल्लीकल (श्रीलंका)

इंग्लैंड ने तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 12 रन से हराकर श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया और इस तरह से सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी शानदार तैयारियों का पुख्ता सबूत पेश किया। इंग्लैंड ने इस कम स्कोर वाले मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 128 रन बनाए। श्रीलंका की टीम इसके जवाब में 19.3 ओवर में 116 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड की जीत के नायक बाएं हाथ के स्पिनर जैकब बेथेल रहे जिन्होंने 11 रन देकर चार विकेट लिए।

इससे पहले सैम कुरेन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 58 रन की पारी खेली जबकि जोस बटलर ने 25 रन का योगदान दिया। श्रीलंका की तरफ से तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा ने भी श्रृंखला के अपने पहले मैच में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 24 रन

फोटोः हि.स.

देकर पांच विकेट लिए। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा, इस श्रृंखला में हमारा प्रदर्शन शानदार रहा। ऐसी जीत का हिस्सा बनना बहुत अच्छा लगा। हमने दिखा दिया है कि हम अलग-अलग तरह की परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। विश्व कपप पास में है और उम्मीद है कि उसमें यहां के अनुभव का हमें फायदा मिलेगा। श्रीलंका को 17 गेंदों में 17 रन चाहिए थे, लेकिन बेथेल ने 18वें ओवर में तीन विकेट लेकर निचले क्रम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने महेश थीक्षना को शॉर्ट थर्ड मैन पर कैच आउट कराकर श्रीलंका की पारी का अंत किया। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने कहा, टीम के इस प्रदर्शन से मैं बहुत निराश हूं।

ाार्सिलोना ने अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा सेमीफाइनल में

मैड्रिड। लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक-एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने मंगलवार को दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था। बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारतीय महिला टीम ने म्यांमार को 5-0 से हराया

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

किंगदाओ (चीन)

मौजूदा चैंपियन भारतीय महिला टीम ने बुधवार को यहां ग्रुप वाई के अपने पहले मुकाबले में म्यांमार को 5-0 से हराकर बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरूआत की। तन्वी शर्मा ने सबसे पहले कोर्ट में उतरकर थेट हटर थुजार को केवल 32 मिनट में 21-13 21-16 से हराया।

इसके बाद रक्षिता संतोष रामराज ने दूसरे एकल में ऐंट चिट फू को 21-12 21-6 से हराकर भारत को 2-0 से बढ़त दिला दी। मालविका बंसोड ने तीसरे एकल मुकाबले में लिन लिन हेट को 21-19 21-12 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। भारत ने इसके बाद युगल मुकाबलों में भी दबदबा बरकरार रखा और दोनों मैच सीधे गेम में जीते। प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी ने सु लैट और थेट हटर थुजार को 21-15 21-16 से हराया। इसके बाद त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को हेट और फू की जोड़ी को 21-8 21-6 से हराने में कोई खास मशक्कत नहीं करनी पड़ी। भारत गुरुवार को अपने दूसरे ग्रुप मैच में पिछली बार के उपविजेता थाईलैंड से भिड़ेगा।

आइजोल अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन 14 फरवरी को

आइजोल। दूसरी आइजोल अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन (एआईएचएम) 14 फरवरी को आयोजित की जाएगी। मिजोरम के खेल मंत्री लालनघिंगलोवा हमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हाफ मैराथन में देश भर के प्रमुख खिलाड़ी भाग लेंगे। इस दौड़ की शुरूआत राजीव गांधी स्टेडियम से होगी और इसका समापन भी वहीं पर होगा। पहली आइजोल अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन का आयोजन पिछले साल अप्रैल में किया गया था जिसमें देश भर से 1,500 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। हमार ने कहा, आइजोल के पास सैरांग तक रेलवे नेटवर्क के विस्तार के बाद हम देश भर से एथलीटों और दर्शकों की रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में कुछ विदेशी पेशेवर एथलीटों के भी भाग लेने की संभावना है। इस हाफ मैराथन की पुरस्कार राशि 15 लाख रुपये से अधिक है।

स्मिथ ने पीएसएल फ्रेंचाइजी सियालकोट स्टैलियनज के साथ किया करार

एजेंसी (हि.स.)

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट स्टार स्टीव स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की नई फ्रेंचाइजी सियालकोट स्टैलियनज के साथ करार कर लिया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम में वापसी और लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में खेलने का उनका सपना अब भी कायम है, जहां पहली बार टी20 क्रिकेट को शामिल किया जाएगा।

36 वर्षीय स्मिथ ने हाल ही में एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके बाद उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) में भी बेहतरीन बल्लेबाजी की। इसके बावजूद उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिल सकी। स्मिथ कई बार साफ कर चुके हैं कि उनका बड़ा लक्ष्य 2028 ओलंपिक में खेलना है। हालांकि सिडनी टेस्ट के बाद उन्होंने यह भी कहा था कि उनका भविष्य 'दिन-

फोटोः हि.स.

प्रतिदिन' का मामला है। लेकिन पीएसएल में साइन करना इस बात का संकेत है कि उनके इरादे अभी मजबूत हैं। ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम में फिलहाल कप्तान मिच मार्श और ऑलराउंड स्टार ट्रैविस हेड को ओपनर के रूप में प्राथमिकता दी जा रही है, जिसके चलते चयनकताओं को इन-फॉर्म स्मिथ के लिए जगह नहीं मिल पाई। पीएसएल में सियालकोट स्टैलियनज के लिए खेलना स्टीव स्मिथ के लिए अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अपनी दावेदारी को और मजबूत करने का अहम मौका माना जा रहा है।

रात का खाना खाने के बाद 10 मिनट टहलने से होता है स्वास्थ्य लाभ

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और डेस्क जॉब के कल्चर ने हमारी शारीरिक सक्रियता को काफी कम कर दिया है। अक्सर लोग रात का भारी खाना खाने के तुरंत बाद सो जाते हैं या सोफे पर बैठकर टीवी देखने लगते हैं, जो सेहत के लिए बेहद हानिकारक साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, रात के भोजन के बाद केवल 10 से 15 मिनट की सैर आपके शरीर में जादुई बदलाव ला सकती है। यह छोटी सी आदत न केवल आपके पाचन तंत्र को मजबूत करती है, बल्कि मेटाबॉलिज्म को तेज कर वजन घटाने में भी मदद करती है। आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा दोनों ही भोजन के बाद 'शतपावली' (सौ कदम चलना) को अनिवार्य मानते हैं। जब आप खाने के बाद टहलते हैं, तो गुरुत्वाकर्षण और शारीरिक गति मिलकर भोजन को पाचन नली में तेजी से आगे बढ़ाते हैं, जिससे गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी जैसी समस्याओं से स्थायी राहत मिलती है। यह आदत आज के समय में कब्ज, एसीडिटी जैसी समस्याओं से बचने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है।

पाचन तंत्र को मिलती है जबरदस्त मजबूती

रात के खाने के बाद टहलने का सबसे बड़ा फायदा बेहतर पाचन है। पैदल चलने से पेट और आंतों की सक्रियता बढ़ती है, जिससे गैस्ट्रिक एंजाइम तेजी से स्रावित होते हैं। यह प्रक्रिया कब्ज की समस्या को जड़ से खत्म करने में सहायक है। जो लोग नियमित रूप से खाने के बाद टहलते हैं, उनमें अपच और भारीपन की शिकायत न के बराबर होती है।

ब्लड शुगर लेवल को करता है नियंत्रित

डायबिटीज के मरीजों के लिए डिनर के बाद टहलना किसी वरदान से कम नहीं है। भोजन के तुरंत बाद टहलने से शरीर में इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ती है और खून में शुगर का लेवल अचानक नहीं बढ़ता। शोध बताते हैं कि भोजन के बाद थोड़ी देर टहलना टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने में काफी प्रभावी साबित होती है।

वजन घटाने और मेटाबॉलिज्म में सहायक

अगर आप पेट की जिद्दी चर्बी से परेशान हैं, तो यह आदत आपके लिए जरूरी है। पैदल चलने से कैलोरी बर्न होती है और मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, जो रात के समय आमतौर पर धीमा हो जाता है। यह शरीर को भोजन से प्राप्त ऊर्जा का सही उपयोग करने में मदद करता है, जिससे अतिरिक्त कैलोरी फैट के रूप में जमा नहीं हो पाती।

हृदय स्वास्थ्य और कोलेस्ट्रॉल में सुधार

नियमित रूप से टहलना आपके दिल की सेहत के लिए बेहतरीन है। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। बेहतर रक्त प्रवाह धमनियों को स्वस्थ रखता है, जिससे हृदय रोगों और स्ट्रोक का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। हृदय को फिट रखने का यह सबसे किफायती और अच्छा तरीका है।

मानसिक तनाव कम कर मिलती है गहरी नींद

रात की सैर केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी है। यह शरीर में 'एंडोर्फिन' हार्मोन रिलीज करती है, जो तनाव और चिंता को कम करता है। भोजन के बाद ताजी हवा में टहलने से दिमाग शांत होता है, जिससे आपको जल्दी और गहरी नींद आती है। अनिद्रा के मरीजों के लिए यह रामबाण इलाज है।

इम्यूनिटी बढ़ाकर रखता है ऊर्जावान

जब आपका पाचन और नींद सही होती है, तो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता अपने आप बढ़ जाती है। टहलने से शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और आप अगले दिन अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं। यह छोटी सी दिनचर्या आपकी उम्र बढ़ाती है और आपको मौसमी बीमारियों से लड़ने की ताकत देती है।

शुरू करें नई शुरूआत

ध्यान रखें कि भोजन के बाद आपको दौड़ना या भारी व्यायाम नहीं करना है, बल्कि धीमी गति से सहजता के साथ सिर्फ टहलना है। आरामदायक जूते पहनें और अपने घर के पास या छत पर ही इस आदत को शुरू करें। सेहत की ओर बढ़ाया गया यह 10 मिनट का छोटा कदम आपके भविष्य को निरोगी और खुशहाल बना सकता है।

शुगर कंट्रोल करने का आसान तरीका

हाई ब्लड शुगर यानी डायबिटीज की समस्या लोगों में काफी आम होती जा रही है। ये बीमारी तब होती है जब शरीर पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन हार्मोन नहीं बना पाता या बनी हुई इंसुलिन का सही तरीके से उपयोग नहीं कर पाता। इंसुलिन एक ऐसा हार्मोन है, जो खून में मौजूद शुगर को कोशिकाओं तक पहुंचाकर एनर्जी में बदलता है। जब यह प्रक्रिया बाधित होती है, तो ब्लड में शुगर का स्तर बढ़ जाता है। कुछ दशकों पहले तक माना जाता था कि ये बीमारी सिर्फ उम्रदराज लोगों को होती है, हालांकि समय के साथ कम उम्र के लोग यहां तक कि बच्चे भी इसका शिकार होते जा रहे हैं जिसको लेकर दुनियाभर के विशेषज्ञ चिंतित हैं। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि दुनियाभर में डायबिटीज के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है और भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' तक कहा जाने लगा है। यह बीमारी अगर समय रहते कंट्रोल न की जाए, तो शरीर के कई अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

तरीका

क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो डाइट, लाइफस्टाइल में बदलाव और मुश्किल वर्कआउट जैसे तमाम उपाय करके थक चुके हैं पर शुगर कंट्रोल ही नहीं रह रहा? अगर हां, तो लाइफस्टाइल में बदलाव की ये छोटी से आदत आपको बिना ज्यादा परेशान हुए ब्लड शुगर कम करने में मददगार हो सकती है। इस एक आदत से न सिर्फ आपका शुगर लेवल कंट्रोल में आने लगता है साथ ही आंतों और लिवर की सेहत भी तेजी से बेहतर होने लग जाती है।

भोजन के बाद 10 मिनट वॉक

ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने का सबसे अच्छा तरीका है, भोजन के बाद 10 मिनट वॉक करने की आदत बनाना। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज के साथ प्रीडायबिटीज, फैटी लिवर, इंसुलिन रेजिस्टेंस, वजन बढ़ने, पेट की चर्बी जैसी समस्याओं को कम करने में भी इस आदत से आपको लाभ मिल सकता है। हमारे पैरों की मांसपेशियां स्पंज की तरह काम करती हैं। जब वे हिलती हैं, तो सीधे आपके खून से ग्लूकोज खींचती हैं। खून में ग्लूकोज कम होने का मतलब है कम इंसुलिन रिलीज होना। डॉक्टर के अनुसार, इंसुलिन कम रिलीज होने से लिवर में फैट भी कम होता है जिससे फैटी लिवर की समस्या दूर होती है।

खाने के बाद वॉक करने से कई तरह के लाभ

खाना खाने के बाद 10 मिनट चलने की आदत बनाने से ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव कम होता है क्योंकि मांसपेशियां शरीर को एनर्जी देने के लिए ग्लूकोज का इस्तेमाल करती हैं। इंसुलिन का लेवल कम होने का मतलब है कि शरीर की कोशिकाएं इसके प्रति ज्यादा रिस्पॉन्सिव हो जाती हैं। इस एक आदत से लिवर में फैट कम जमा होता है क्योंकि शारीरिक गतिविधि से पाचन को बढ़ावा मिलता है। आपकी एनर्जी शरीर के मेटाबॉलिज्म में इस्तेमाल हो जाती है इसलिए पेट की चर्बी कम होती है। ब्लड शुगर लेवल स्थिर रहने से पूरे दिन शुगर बढ़ने की दिक्कत कम होती है।

शुगर कंट्रोल रखने के लिए ये भी जानें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज को कंट्रोल में रखना बेहद जरूरी है। लाइफस्टाइल में सुधार करके आप शुगर लेवल को बढ़ने से रोक सकते हैं। संतुलित आहार जिसमें फाइबर की भरपूर मात्रा हो, साबुत अनाज, हरी सब्जियां और प्रोटीन वाली चीजें डायबिटीज को बढ़ने से रोकने में मदद करती हैं। इसके साथ ही वजन को कंट्रोल में रखना, पर्याप्त नींद लेना और तनाव कम करना भी बेहद जरूरी है। समय-समय पर ब्लड शुगर की जांच और डॉक्टर की सलाह से दवा लेना डायबिटीज से होने वाली जटिलताओं को रोकने में अहम भूमिका निभाता है।

शहर के विभिन्न पार्कों का किया औचक निरीक्षण

आयुक्त ने पौधारोपण, सौंदर्यीकरण एवं हरियाली विकास कार्यों की गुणवत्ता पर दिया जोर

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार ने आज नगर निगम के बागवानी (हॉर्टिकल्चर) विंग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान का जायजा लेने के उद्देश्य से एमडीसी सेक्टर-4, एमडीसी सेक्टर-5 तथा सेक्टर-2 एवं सेक्टर-4 का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने उन क्षेत्रों का गहन अवलोकन किया जहां पौधारोपण, हरियाली विकास, पार्कों के सौंदर्यीकरण, फूलों की क्यारियों की स्थापना एवं अन्य सौंदर्यीकरण कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति एवं समयबद्धता पर विशेष बल दिया।

आयुक्त श्री विनय कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं।उन्होंने पार्कों, ग्रीन बेल्ट्स एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पौधों की देखभाल एवं नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि पंचकूला को और अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं हरित शहर बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि नगर निगम का बागवानी विंग शहर की हरियाली एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऐसे विशेष अभियान शहरवासियों को स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगे। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्रवासियों की सहभागिता बढ़ाकर इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए.इस अवसर पर बागवानी विंग के एक्सईएन, एई, जूनियर इंजीनियर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके उपरांत नगर निगम आयुक्त ने निवासियों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर सेक्टर-21 स्थित पार्क में चल रहे विकास एवं रखरखाव कार्यों का औचक निरीक्षण किया।

शिकायतों में पार्क की स्थिति, साफ-सफाई, रखरखाव, बेंचों एवं खेल उपकरणों की मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था आदि से संबंधित मुद्दे प्रमुख रूप से शामिल थे। आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया तथा निवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित इंजीनियरिंग एवं सफाई कर्मचारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश दिए, ताकि शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान किया जा सके और पार्क को स्वच्छ, सुंदर एवं उपयोगी बनाया जा सके।

आयुक्त ने कहा कि निवासियों की शिकायतों का समाधान नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य शहर के सभी पार्कों को मॉडल स्तर का विकसित करना है, जिससे नागरिक बिना किसी बाधा के सुविधाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने निर्धारित समयसीमा में सभी कमियां दूर करने तथा भविष्य में शिकायतों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नगर निगम आयुक्त श्री विनय कुमार ने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), सेक्टर-8 से प्राप्त शिकायतों के आधार पर शालीमार मॉल के सामने स्थित पार्क एवं शहीद मेजर संदीप सागर मेमोरियल पार्क का औचक निरीक्षण किया।

आरडब्ल्यूए द्वारा प्रस्तुत शिकायतों में पार्कों की साफ-सफाई, रखरखाव, बेंचों, लाइटों एवं खेल उपकरणों की मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था, हरियाली संरक्षण तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दे शामिल थे। आयुक्त ने पार्कों की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण किया, निवासियों से संवाद किया तथा कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का मूल्यांकन किया।

उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों, इंजीनियरिंग स्टाफ एवं सफाई कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। पार्कों को स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित एवं पूर्णतः उपयोग योग्य बनाने के लिए आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही, उन्होंने नियमित निरीक्षण एवं रखरखाव सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर श्री विनय कुमार ने कहा, नगर निगम का मुख्य उद्देश्य निवासियों की सुविधा एवं संतुष्टि है। पार्क शहर की जीवन रेखा हैं और इनके समुचित विकास से नागरिकों को स्वस्थ एवं खुशहाल वातावरण प्राप्त होता है।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कालका में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला/कालका

उच्चतर शिक्षा निदेशालय, हरियाणा द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन विज्ञान संकाय, श्रीमती अरुणा आसफ अली राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कालका, पंचकूला में किया गया। इस संगोष्ठी में प्रदेश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संगोष्ठी का आयोजन श्री एस. नारायणन, महानिदेशक, उच्चतर शिक्षा, हरियाणा के मुख्य संरक्षण में किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. गीता सुखीजा ने संरक्षक के रूप में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया। संगोष्ठी के संयोजक के रूप में वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. राम चंद ने अकादमिक योजना एवं समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि प्राणी विज्ञान विभाग की डॉ. नीरू ने सह-संयोजक के रूप में कार्य किया। वित्तीय सचिव के रूप में भौतिकी विभाग के डॉ. अजीत सिंह ने वित्तीय व्यवस्थाओं का संचालन किया तथा भौतिकी विभाग की डॉ. गुरप्रीत कौर ने आयोजन सचिव के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। संगोष्ठी का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. एस. के. गक्खड़, उपाध्यक्ष, हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. पी. सुखीजा, पूर्व संयुक्त निदेशक, उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में डॉ. गक्खड़ ने अंतर्विषयी अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका को रेखांकित किया। संगोष्ठी की मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) निर्मला चोंगथम रहीं। पंजाब विश्वविद्यालय तथा महर्षि मार्कंडेयेश्वर डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, मुल्लाना जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से आए विद्वान वक्ताओं प्रो. (डॉ.) संदीप सहिजपाल, प्रो. (डॉ.) आनंद नारायण सिंह, प्रो. (डॉ.) इंदु शर्मा एवं प्रो. (डॉ.) भावना पारीक ने आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत कर संगोष्ठी की अकादमिक गुणवत्ता को और अधिक समृद्ध किया। संगोष्ठी में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी शामिल थे। शोध पत्रों की प्रस्तुतियाँ ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों से की गईं, जिनमें वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं संबद्ध विषयों से संबंधित शोध कार्य प्रस्तुत किए गए। संगोष्ठी का समापन सत्र डॉ. ए. एन. सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए इस प्रकार के अकादमिक मंचों को शोध संस्कृति के विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

नागरिक सुविधाओं, शिकायत पंजीकरण, निवारण प्रक्रिया एवं डिजिटल व्यवस्था की समीक्षा क

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- जिला में वर्ष 2025-26 के लिए 60 मामलों का लक्ष्य निर्धारित - उपायुक्त
- 1.80 लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाली महिलाएं, ले सकती है योजना का लाभ

हरियाणा महिला विकास निगम की व्यक्तिगत ऋण योजना के अंतर्गत निगम द्वारा वर्ष 2025झ्26 के लिए कुल 60 मामलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिनमें 20 मामले अन्य श्रेणी तथा 40 मामले अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित हैं।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि वे महिलाएं, जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से अधिक नहीं है तथा जिनके परिवार का कोई भी सदस्य आयकर दाता नहीं है, इस योजना के अंतर्गत 1.50 लाख रुपये तक के व्यक्तिगत ऋण के लिए आवेदन कर सकती हैं।

उन्होंने आगे बताया कि निगम द्वारा 25 प्रतिशत अनुदान राशि प्रदान की जाती है, जो अन्य श्रेणी के लिए अधिकतम 10,000 रुपये तथा अनुसूचित जाति के लिए अधिकतम 25,000 रुपये है।इसके अतिरिक्त 10 प्रतिशत राशि लाभार्थी को स्वयं वहन करनी होती है, जबकि शेष राशि की व्यवस्था राष्ट्रीयकृत अथवा सहकारी बैंकों के माध्यम से कराई जाती है।

उन्होंने बताया कि यह ऋण राशि विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों जैसे सिलाई, कढ़ाई, करियाना, मनियारी, रेडीमेड गारमेंट्स, कपड़े की दुकान, स्टेशनरी, बुटीक एवं जनरल स्टोर आदि के लिए प्रदान की जाती है। यह ऋण योजना शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों की महिलाओं के लिए उपलब्ध है।

अधिक जानकारी हेतु इच्छुक महिलाएं निगम के जिला प्रबंधक, हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा नंबर 52, तीसरी मंज़िल, नई बिल्डिंग, मिनी सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला में या फोन नंबर 0172-2585271 पर संपर्क कर सकती हैं।

आईआईटी रोपड़ के एएनएनएएम ने कृषि अनुसंधान और जमीनी स्तर की खेती के बीच की खाई को पाटने के लिए 'फार्मर्स फ्राइडे' लॉन्च किया

सिटी दर्पण संवाददाता
रोपड़

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रोपड़ में अक्र-इन-एग्रीकल्चर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, एएनएनएएम ने 'फार्मर्स फ्राइडे' लॉन्च किया है, जो किसानों, कृषि शोधकर्ताओं और डिजिटल सलाहकार प्रणालियों के बीच नियमित बातचीत को मजबूत करने के लिए डिजाइन की गई एक अग्रणी संरचित जुड़ाव पहल है।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा समर्थित और एफएएफ्ल१ रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल को औपचारिक रूप से दो मूलभूत जुड़ावों के माध्यम से लॉन्च किया गया - क्ल्ळ रोपड़ में एक कैंपस-आधारित बातचीत, जिसके बाद रूपनगर जिले के बेली गांव में एक गांव-स्तरीय सत्र आयोजित किया गया।

यह पहल डिजिटल कृषि अनुसंधान और सलाहकार प्रणाली डिजाइन के केंद्र में किसानों को रखकर कृषि प्रौद्योगिकी विकास में एक प्रतिमान बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। पारंपरिक टॉप-डाउन दृष्टिकोणों के विपरीत, फार्मर्स फ्राइडे पहले किसानों की बात सुनने, उनकी तत्काल और दीर्घकालिक चुनौतियों को समझने और इन जानकारियों का उपयोग करके जिम्मेदार, क्षेत्र-परीक्षित डिजिटल समाधानों के विकास को सूचित करने के सिद्धांत पर आधारित है।

प्रत्येक फार्मर्स फ्राइडे बातचीत एक सावधानीपूर्वक संरचित सहभागी प्रारूप का पालन करती है। सत्र खुली चर्चाओं के साथ शुरू होते हैं जहां किसान कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में आने वाली चुनौतियों को बताते हैं - मिट्टी और जल प्रबंधन से लेकर फसल चक्र, कीट और रोग की घटनाओं, मौसम की परिवर्तनशीलता और बाजार से जुड़े निर्णय लेने तक। ये चर्चाएं यह आकलन करने के लिए डिजाइन की गई हैं कि समय पर, स्थानीयकृत सलाहकार इनपुट सूचित खेत-स्तरीय निर्णयों का समर्थन कैसे कर सकते हैं।

उद्घाटन कैंपस बातचीत में 40 से अधिक प्रगतिशील किसानों के साथ-साथ राज्य कृषि विभाग के शोधकर्ताओं और अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें कृषि विकास अधिकारी डॉ. बलजीत सिंह और डॉ. रिया शामिल थे। सरपंचों और प्रगतिशील किसानों ने मिट्टी के व्यवहार, मौसम के पैटर्न, फसल चक्र, कीट प्रबंधन और बाजार की गतिशीलता से संबंधित अनुभव साझा किए, जो कृषि अनुभव में प्रौद्योगिकी विकास को आधार बनाने के महत्वपूर्ण महत्व को रेखांकित करता है। बेली में गांव-स्तरीय बातचीत में 60 से अधिक किसान एक साथ आए, जिन्होंने दिन-प्रतिदिन की कृषि पद्धतियों और मिट्टी के स्वास्थ्य, पानी की उपलब्धता, बीज की गुणवत्ता, फसल रोगों, जलवायु अनिश्चितता और आजीविका स्थिरता से संबंधित उभरती चुनौतियों पर चर्चा की।

संक्षिप्त-समाचार

माय भारत चंडीगढ़ द्वारा माय भारत बजट क्वेस्ट 2026 का शुभारंभ; युवाओं से सहभागिता का आह्वान

चंडीगढ़ । युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत चंडीगढ़ ने माय भारत बजट क्वेस्ट 2026 का शुभारंभ किया है। यह एक राष्ट्रव्यापी, युवा-केंद्रित पहल है, जिसका उद्देश्य विकसित भारत बजट 2026 के प्रति जागरूकता एवं सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है। यह क्विज अब माय भारत पोर्टल पर लाइव है। चंडीगढ़ के युवा पोर्टल पर जाकर अथवा आधिकारिक पोस्टरों पर उपलब्ध दफ कोड स्कैन कर इसमें भाग ले सकते हैं। भागीदारी की अंतिम तिथि 17 फरवरी 2026 है। यह पहल तीन चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण में केंद्रीय बजट 2026 पर आधारित राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन क्विज होगा। इस चरण में चयनित प्रतिभागी द्वितीय चरण में निर्धारित विषय पर निबंध पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। अंतिम चरण में चयनित युवाओं को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से विशेष संवाद का अवसर प्रदान किया जाएगा। इस पहल पर प्रकाश डालते हुए श्री विनय कुमार, जिला युवा अधिकारी, माय भारत चंडीगढ़ ने कहा, यह मंच चंडीगढ़ के युवाओं को बजट को समझने और विकसित भारत के विजन में सक्रिय योगदान देने के लिए सशक्त बनाता है। माय भारत चंडीगढ़ ने विद्यार्थियों, युवा स्वयंसेवकों एवं शैक्षणिक संस्थानों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आह्वान किया है।

भारंगम के साथ चलेगा सारंग महोत्सव

रोहतक। दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में ह्यभारंगमह्न के साथ ही चार दिवसीय ह्यसारंगह्न महोत्सव भी चलेगा। ह्यसारंगह्न महोत्सव डीएलसीसुपवा का अपना आयोजन है, जिसका मंच अलग से एफटीवी डिपार्टमेंट के कोर्टयार्ड में सजेगा। इसका पोस्टर भी ह्यभारंगमह्न के साथ ही लॉन्च किया गया। डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने बताया कि भारंगम में सिर्फ देश-विदेश की टीमों द्वारा नाटकों का मंचन किया जाएगा, जबकि सारंग कलात्मक अभिव्यक्तियों के इंद्रधनुष की भांति है, जहां विभिन्न कला रूप एक ही मंच पर नजर आएंगे। ह्यसारंगह्न महोत्सव रंगों, विचारों, आवाजों और परंपराओं के मेल का उत्सव है, जो कला के माध्यम से सौहार्द, रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देगा। विभिन्न रचनात्मक विधाओं को एक छत्र के नीचे लाकर ह्यसारंगह्न प्रदर्शनियों, संवादों, स्क्रीनिंग, कार्यशालाओं और दृश्य कथाकथन के लिए एक जीवंत स्थान है। चार दिनों तक यह महोत्सव कलाकारों, छात्रों, विद्वानों और दर्शकों के लिए एक गतिशील समागम स्थल के रूप में नजर आएगा। डॉ आर्य ने कहा कि ह्यसारंगह्न के मंच पर कथक, ओडिसी, छऊ, सत्रिया, भांगड़ा भी नजर आएगा। लोक और पारंपरिक प्रदर्शन जैसे पेन नदाई कूथु (तमिल लोक रंगमंच) और असमिया लोक कला भी प्रसिद्ध टीमों द्वारा प्रदर्शित की जाएंगी। संगीतमय और काव्यात्मक कथाएं, कव्वाली और गजल, छात्र बैंड प्रदर्शन और समकालीन लाइव संगीत कार्यक्रम भी ह्यसारंगह्न के मंच पर नजर आएंगे। डॉ आर्य ने कहा कि निर्देशकों की बैठकें, मास्टर क्लासेस, विशेषज्ञ वार्ता और प्रख्यात रंगमंच और प्रदर्शन कला हस्तियों के साथ इंटरैक्टिव सेशन भी इसी मंच का हिस्सा होंगे।

युवा आपदा मित्र योजना के तहत माय भारत स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण संपन्न

पंचकूला। युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत माय भारत के स्वयंसेवकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संयुक्त प्रशिक्षण संस्थान, गृह रक्षी एवं नागरिक सुरक्षा, पंचकूला में आयोजित किया गया। समापन अवसर पर संस्थान के मुख्य प्रशिक्षक श्री रविंद्र कुमार, एचपीएस मुख्यअतिथि रहे। कार्यक्रम का संचालन कंपनी कमांडर सुनील कुमार के नेतृत्व में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर प्रशिक्षक नवदीप कुमार, नीरज कुमार तथा मनोज कुमार द्वारा स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन परिस्थितियों में समन्वय तथा सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 27 जनवरी से 2 फरवरी 2026 तक किया गया। इस अवसर पर अंजू राणा, प्रोजेक्ट ऑफिसर, आपदा प्रबंधन, जिला प्रशासन पंचकूला तथा रेणु देवी, अकाउंट प्रोग्राम असिस्टेंट की उपस्थिति में माय भारत के स्वयंसेवकों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को विधिवत रूप से पूर्ण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को आपदा की स्थिति में समाज के लिए सक्षम, प्रशिक्षित एवं जिम्मेदार स्वयंसेवक के रूप में तैयार करना रहा।

नगर निगम आयुक्त विनय कुमार ने किया शिकायत केंद्र एवं सेक्टर-12ए कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार ने नागरिक सुविधाओं एवं प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज नगर निगम के शिकायत केंद्र (कंप्लेंट सेंटर) तथा सेक्टर-12ए स्थित क्षेत्रीय कार्यालय का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने शिकायत केंद्र की कार्यप्रणाली, शिकायतों के पंजीकरण एवं निवारण की प्रक्रिया, स्टाफ की उपलब्धता, नागरिकों को दी जा रही सहायता तथा डिजिटल/ऑनलाइन शिकायत व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने कर्मचारियों से संवाद कर शिकायतों के त्वरित समाधान, निर्धारित समय-सीमा के पालन एवं नागरिक संतुष्टि स्तर पर चर्चा की।

इसके पश्चात आयुक्त ने सेक्टर-12ए कार्यालय का निरीक्षण करते हुए प्रशासनिक कार्यों, स्टाफ व्यवस्था, दस्तावेजीकरण प्रणाली, नागरिक सेवाओं के वितरण तथा कार्यालय की समग्र स्वच्छता एवं रखरखाव का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए शिकायत निवारण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आवश्यक होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर श्री विनय कुमार ने कहा कि शिकायत केंद्र एवं क्षेत्रीय कार्यालय नगर निगम और नागरिकों के बीच जन-संपर्क की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इनकी बेहतर कार्यप्रणाली से ही नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, प्रभावी एवं संतोषजनक समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य प्रत्येक शिकायत का शत-प्रतिशत प्रभावी निपटारा सुनिश्चित करना तथा नागरिकों को सुगम, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करना है।

आयुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को तत्काल दूर किया जाए, नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा भविष्य में ऐसी किसी भी कमी की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी समस्या या शिकायत के लिए नगर निगम के शिकायत केंद्र, हेल्पलाइन नंबर 9696494949 (व्हाट्सएप एवं कॉलिंग) अथवा आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से संपर्क करें।उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन पंचकूला को एक मॉडल एवं नागरिक-अनुकूल शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

पंचकूला में जोनल लेवल पीएमईजीपी प्रदर्शनी 10 फरवरी तक बढ़ी

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), चंडीगढ़ के राज्य कार्यालय द्वारा जोनल लेवल पीएमईजीपी प्रदर्शनी का आयोजन दशहरा ग्राउंड (शालीमार ग्राउंड), सेक्टर-5, पंचकूला में 30 जनवरी से 08 फरवरी तक किया जा रहा है, जिसे जन-प्रतिक्रिया के आधार पर 2 दिनों के लिए बढ़ाकर 10 फरवरी तक विस्तारित किया गया है।

डॉ वी. सिवक कुमार राज्य निदेशक के.वी.आई.सी चंडीगढ़ ने बताया की इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों–पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर तथा बिहार–से खादी एवं ग्रामोद्योग के प्रीमियम उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि 85 से अधिक प्रचार-सह-विक्रय स्टॉलों के माध्यम से प्रदर्शनी में खादी एवं पीएमईजीपी उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है, जिनमें वस्त्र एवं परिधान, जैकेट एवं वेस्टकोट, हर्बल एवं आयुर्वेदिक व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद, होम फर्निशिंग सामग्री, शहद एवं अचार जैसे खाद्य उत्पाद तथा विभिन्न एक्सेसरीज शामिल हैं, जिन पर 30 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध है।इसके साथ-साथ अगरबत्ती निर्माण मशीनों, पॉटरी निर्माण तथा देसी चरखा, बॉक्स चरखा एवं एनएमसी चरखा जैसी पारंपरिक कताई तकनीकों के लाइव प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया की प्रदर्शनी में एक विशेष खादी सेल्फी प्वाइंट, प्रतिदिन शाम 6:00 बजे से 8:00 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम, तथा आगंतुकों के लिए फूड स्टॉल्स की व्यवस्था की गई है। परिवारों एवं विद्यार्थियों से आग्रह किया गया है कि वे इस प्रदर्शनी का भ्रमण कर शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त करें।

कैंप | सेक्टर-11 कैनम प्लाजा में विशाल रक्तदान शिविर, 70 युवाओं ने किया रक्तदान

रक्त का कोई विकल्प नहीं है, हर स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान करे: तरुण भंडारी

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी सहित कई गणमान्य अतिथि रहे मौजूद

सेक्टर-11 स्थित कैनम प्लाजा मार्केट में समाजसेवा की मिसाल पेश करते हुए एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्माइल फारएवर, श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट पंचकूला, ब्लड बैंक पीजीआई चंडीगढ़, कमलेश मलकानियां मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट तथा महामाई मनसा देवी चैरिटेबल भंडारा कमेटी के संयुक्त सहयोग से लगाया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, पंचकूला भाजपा जिला प्रधान अजय मित्तल तथा पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में समाजसेवी अरुण ग्रोवर, हितैषी फाउंडेशन के चेयरमैन भारत हितैषी, शिरडी साईं सेवा समाज के प्रबंधक अनिल थापर, महामाई मनसा देवी चैरिटेबल भंडारा कमेटी के प्रधान अमित जैन, अरविनकेयर के प्रधान अतुल गर्ग, भाजपा महामंत्री जय कौशिक, सुखबीर पूनिया, अजय कुंडलस, मुकेश सिंगला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तरुण भंडारी और ज्ञानचंद गुप्ता ने युवाओं से रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति का यह इंसानी, नैतिक और सामाजिक दायित्व है कि वह समय-समय पर रक्तदान करे, क्योंकि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और यह कई जिंदगियां बचाने में सहायक होता है।

भाजपा जिला प्रधान अजय मित्तल ने कहा कि अपने पूर्वजों को स्मरण करने के लिए रक्तदान से बड़ा कोई कार्य नहीं हो सकता। रक्तदान न केवल जीवनदायी है बल्कि समाज के प्रति हमारी संवेदनशीलता को भी दशार्ता है। वहीं पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल ने इस सराहनीय आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी।

श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट एवं निफा चंडीगढ़ के डायरेक्टर रमेश नारंग और प्रधान राकेश कुमार संगर ने बताया कि सर्दी के मौसम में अस्पतालों में रक्त एवं रक्त कॉम्पोनेंट्स की कमी को देखते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया, ताकि जरूरतमंद मरीजों की सहायता की जा सके, जिनकी जिंदगी रक्त की कमी के कारण संकट में पड़ जाती है।

रक्तदान शिविर में लगभग 70 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की।शिविर के अंत में स्माइल फारएवर के प्रधान अजय गुप्ता ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट एवं निफा चंडीगढ़ से एच.एल. सिंगला, एन.एन. पुरी, दिनेश कुमार, रमेश नारंग सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। सभी रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र, स्मृति चिन्ह एवं बेज देकर सम्मानित और प्रोत्साहित किया गया।